रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, मंगलवार 18 फरवरी 2025, वर्ष 10, अंक 397 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

महाकुंभ मेलाः सोमवार को 1.35 करोड़ से ज्यादा लोगों ने संगम में डुबकी लगाई

प्रयागराजः महाकुंभ में आम दिनों में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को शाम आठ बजे तक 1.35 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को शाम आठ बजे तक 1.35 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में स्नान किया, जबकि 13 जनवरी से अभी तक कुल 54.31 करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं।

इस बीच, सोमवार को आम श्रद्धालुओं के साथ ही कई केंद्रीय मंत्रियों और अन्य विशिष्ट लोगों ने भी संगम में डुबकी लगाई, जिनमें केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉक्टर मनसुख मांडविया, केंद्रीय राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस शामिल थे। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि अभी तक 53 करोड़ लोग यहां आकर स्नान कर चुके हैं। यहां इतने व्यापक स्तर पर स्नान ईश्वर की कृपा से हो रहा है।

केंद्रीय राज्यमंत्री एस पी सिंह बघेल ने कहा कि आज महाकुंभ में स्नान करने का अवसर पाकर मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूं। यह ईश्वर की कृपा और जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है। बघेल ने इस्कॉन और अदाणी समूह द्वारा महाकुंभ मेले में चलाए जा रहे प्रसाद वितरण में भी हाथ बंटाया। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने संगम में स्नान करने के बाद कहा कि महाकुंभ भारत की महान संस्कृति और परंपराओं का सर्वोत्तम उदाहरण है। यह सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है कि दुनिया का सबसे बड़ा जनसमूह यहां स्वेच्छा से आकर स्नान कर रहा है। पूर्व वित्त मंत्री और भाजपा नेता दिवंगत अरुण जेटली के पुत्र एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रोहन जेटली ने भी पत्नी के साथ संगम में डुबकी लगाई। जेटली ने कहा कि अपनी पत्नी के साथ महाकुंभ का दिव्य अनुभव प्राप्त कर धन्य और सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। इस विशाल आयोजन और अपार जनसमूह के बावजूद स्थानीय प्रशासन ने अत्यंत कुशल और उत्कृष्ट प्रबंधन किया है।

बिहार में धान खरीद का नया रिकॉर्ड, आंकड़ा 39 लाख मीट्रिक टन पार

पटनाः बिहार सरकार का दावा है कि 2024-25 में रिकॉर्ड स्तर पर किसानों से धान की खरीदारी हुई है। किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। बिहार में धान खरीद ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। बिहार में धान की खरीद में जबर्दस्त इजाफा हुआ है। कुल 39.23 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है, जो कि 45 लाख मीट्रिक टन के निर्धारित लक्ष्य का लगभग 87.2 प्रतिशत है।

मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को दी बधाई जानकारी के अनुसार पिछले साल सरकार ने 30 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा था, जो लक्ष्य का 66.7 प्रतिशत था। इस साल धान की खरीद में करीब 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, यानी करीब 9 लाख मीट्रिक टन धान अधिक खरीदी गई है। इस उपलब्धि पर मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों और उनकी टीम को बधाई दी है। खाद्य और सहकारिता विभाग की बेहतरीन कार्यशैली ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। **बिहार के जिलों में जमकर हुई खरीदारी** राज्य में पिछले वर्ष के मुकाबले करीब नौ लाख मिट्रीक टन धान की खरीद अधिक हुई है, जिसमें सबसे ज्यादा भोजपुर में 105 फीसदी धान की खरीद हुई है। ऐसे जिलों की संख्या ठीक-ठाक है, जहां 95 फीसदी से अधिक खरीदारी हुई। इनमें अरवल, बांका, बेगूसराय, पूर्वी चंपारण, गया, किशनगंज, लखीसराय, मधेपुरा, नालंदा, पटना, सहरसा, शेखपुरा, शिवहर, सीवान और सुपौल है। वहीं, 90 फीसदी से पार रहने वाले जिलों में पश्चिमी चंपारण, सारण, मुंगेर, जमुई, अररिया शामिल है। बिहार सरकार पारंपरिक खेती के तरीकों को बदलकर किसानों को स्मार्ट खेती करने के लिए लगातार प्रेरित कर रही है।

सीएम हेमंत सोरेन ने लिया फैसला, 37 कैदियों को किया जाएगा रिहा

रांची : झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण परिषद की बैठक हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न जेलों में आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों को रिहा करने पर सहमति बनी। इस बैठक में रिहाई से जुड़े नए मामलों और उन कैदियों के मामलों पर भी पुनर्विचार किया गया, जिन्हें पिछली बैठकों में अस्वीकृत किया गया था। मुख्यमंत्री ने राज्य सजा पुनरीक्षण परिषद द्वारा अनुशंसित 103 कैदियों की रिहाई के प्रस्ताव पर अधिकारियों से गहन चर्चा की। प्रत्येक कैदी की फाइल पर ध्यान से विचार करते हुए, उनके अपराध की प्रकृति और संबंधित पुलिस अधिकारियों और जेल अधीक्षकों की राय ली गई।

इसके बाद, 37 कैदियों को रिहा करने का निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का सामाजिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन किया जाए। साथ ही, उनका ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखा जाए और उनकी गतिविधियों की निरंतर निगरानी की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि रिहा हुए कैदियों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि उनका जीवन सुचारू रूप से चल सके।

यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों के लिए आय सृजन की व्यवस्था की जाए और उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री के अलावा, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, कारा महानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबर

चान्हो किसान से 59 हजार की साइबर ठगी

चान्हो : थाना क्षेत्र के चोरेया बगीचाटोली निवासी दुखन उरांव से पीएम किसान योजना के नाम पर 59, 668 हजार रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। मामले को लेकर वर्तमान में दहिसोत बनहोरा में रह रहे दुखन उरांव ने रांची के साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। दुखन उरांव के अनुसार 10 फरवरी को उन्हें करीब ढाई बजे 8809665968 से एक काल आया। जिसमें कहा गया कि आपके नाम से पीएम किसान योजना। का 8000 रुपये आया है। अपना एकाउंट नंबर दीजिये। इसके बाद कहा गया कि अपना अकाउंट चेक कीजिये। पैसा नहीं मिलने की बात बताने पर उधर से बोला गया कि पैसा भेजने में दिक्कत हो रही है। आप अपना फोन पे खोलिए और हम जैसा कह रहे हैं वैसा कीजिए, फोन पे पर उसके कहे अनुसार करने के कुछ देर बाद ट्रांजेक्शन का मैसेज आया, जिसमें उल्टे पैसा मिलने की जगह खाता से ही 59, 668 रुपये की निकासी कर ली गयी।

नाबालिग बेटी ने माता-पिता को दी मुखाग्निःबोली-कसम खाती हूं न्याय के लिए लडूंगी

जमशेदपुर जमशेदपुर में शनिवार रात 8.30 बजे नो एंट्री में घुसे हाइवा की चपेट में आने से मृत देवाशीष चौधरी (62) और उनकी पत्नी नुपूर चौधरी (56) का अंतिम संस्कार रविवार देर रात हुआ। अनाथ हो चुकी नाबालिग बेटी त्रिषाणी चौधरी (17) ने बिष्टुपुर पार्वती घाट पर माता-पिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले त्रिषाणी दोनों के शव के पैर के पास बैठ गई। वह बार-बार कहती रही- मैं माता-पिता के पैर छूकर कसम खाती हूं कि न्याय के लिए मरते दम तक लडूंगी, ताकि मेरी तरह कोई दूसरा अनाथ न हो। परसुडीह प्रमथनगर क्लब रोड निवासी त्रिषाणी के लिए यह पहला सड़क हादसा नहीं था। 11 साल पहले उसके इकलौते भाई ऋषि की भी एग्रिको सिग्नल के पास कार दुर्घटना में मौत हो गई थी, जिसमें उनकी बेटी निशा भी घायल हुई थी। परिवार में अब दंपती की नाबालिग बेटी त्रिषाणी चौधरी अकेली रह गई है।

ज्ञानेश कुमार बने नए मुख्य चुनाव आयुक्तः PM मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसला

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई बैठक में अगले मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश कुमार के नाम पर मुहर लगी है। उनका कार्यकाल 26 जनवरी 2029 तक रहेगा। मौजूदा सीईसी के रिटायरमेंट के बाद वह पदभार ग्रहण करेंगे। राजीव कुमार 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। वहीं, विवेक जोशी को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया है। वे हरियाणा के मुख्य सचिव और 1989 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वहीं, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू अपने पद पर बने रहेंगे। पीएम मोदी की अध्यक्षता हुई बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी शामिल हुए। इसी पैनल की सिफारिश पर नए CEC की नियुक्ति हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नए CEC के लिए 5 नामों की सूची दी गई थी। लेकिन राहुल ने नामों पर विचार करने से इनकार कर दिया था। बैठक के बाद राहुल गांधी ने डिसेंट नोट जारी किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है इसलिए यह बैठक नहीं होनी चाहिए थी। वहीं, कांग्रेस ने कहा था- हम अहंकार में काम नहीं कर सकते। बैठक स्थगित करनी थी ताकि सुप्रीम कोर्ट जल्द फैसला कर सके। सिंघवी ने कहा- सरकार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई तक इंतजार करे कांग्रेस नेता और वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने बताया कि CEC चयन समिति सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन है। CEC के चयन के लिए गठित समिति से CJI को हटाकर सरकार ने साफ कर दिया है कि वह चुनाव आयोग की विश्वसनीयता नहीं, बल्कि नियंत्रण चाहती है। सिंघवी ने कहा कि CEC और अन्य EC की नियुक्ति के लिए बने नए कानून पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका पेंडिंग है। इस मामले में 19 फरवरी को सुनवाई है। यह सिर्फ 48 घंटे का मामला था। सरकार को याचिका की शीघ्र सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट CEC और EC की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका पर 19 फरवरी को सुनवाई करेगा।

'इंडिया' का नाम बदलकर भारत... दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र को पक्ष रखने के लिए दिया समय

दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को 'इंडिया' की जगह 'भारत' या 'हिंदुस्तान' करने के सुझाव पर निर्देश प्राप्त करने के लिए समय दिया है। याचिकाकर्ता की दलील है कि 'इंडिया' नाम औपनिवेशिक अतीत की निशानी है और यह हमारी संस्कृति को नहीं दर्शाता।

नई दिल्लीः दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र के वकील को संविधान में संशोधन करने और 'इंडिया' शब्द की जगह 'भारत' या 'हिंदुस्तान' करने के लिए सरकार को निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका पर निर्देश प्राप्त करने के लिए समय दिया है। यह याचिका 4 फरवरी को जस्टिस सचिन दत्ता के सामने सुनवाई के लिए आई थी और अदालत ने इसे 12 मार्च को आगे की सुनवाई के लिए रखा था। याचिकाकर्ता का कहना है कि 'इंडिया' नाम औपनिवेशिक अतीत की निशानी है। यह नाम हमारी संस्कृति नहीं दर्शाता।

पहले सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी याचिका कोर्ट ने कहा, 'शुरुआत में अग्रिम सूचना पर मौजूद प्रतिवादी संख्या एक और चार (केंद्र) के वकील ने निर्देश प्राप्त करने के लिए कुछ समय मांगा है।' याचिकाकर्ता ने पहले सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में इस याचिका को एक ज्ञापन की तरह माना था। कोर्ट ने कहा था कि संबंधित मंत्रालय इस पर विचार कर सकते हैं। अब याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। उनकी मांग है कि अधिकारी उनके ज्ञापन पर फैसला लें।

क्या है याचिकाकर्ता की दलील? याचिका में कहा गया है, 'याचिकाकर्ता के पास फिलहाल याचिका के माध्यम से इस कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि याचिकाकर्ता के ज्ञापन पर लिए गए किसी भी फैसले के बारे में प्रतिवादियों की ओर से कोई अपडेट नहीं है।' याचिकाकर्ता का तर्क है कि 'इंडिया' नाम देश की संस्कृति और परंपराओं का प्रतिनिधित्व नहीं करता। इस नाम को 'भारत' में बदलने से नागरिकों को 'औपनिवेशिक बोझ' से मुक्ति मिलेगी। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 1 में संशोधन की मांग की गई है। यह अनुच्छेद संघ के नाम और क्षेत्र से संबंधित है।

1948 में संविधान सभा की बहस का भी जिक्र याचिका में 1948 में संविधान सभा की बहस का भी जिक्र है। यह बहस तत्कालीन मसौदा संविधान के अनुच्छेद 1 पर हुई थी। याचिका में कहा गया है कि उस समय भी देश का नाम भारत या हिंदुस्तान रखने की मांग उठी थी। याचिका में कहा गया है, 'हालांकि अब समय आ गया है कि देश को उसके मूल और प्रामाणिक नाम यानी भारत से पहचाना जाए, खासकर तब जब हमारे शहरों के नाम बदलकर भारतीय लोकाचार के अनुरूप पहचान बनाई गई है।'

याचिकाकर्ता का मानना है कि जिस तरह कई शहरों के नाम बदलकर भारतीय संस्कृति के अनुरूप किए गए हैं, उसी तरह देश का नाम भी बदलना चाहिए। यह बदलाव देश की असली पहचान को दर्शाएगा।

भाजपा को साल में 4340.47 करोड़ चंदा मिलाः51% खर्च किया; कांग्रेस दूसरे नंबर पर, AAP का चंदा भाजपा से 200 गुना कम

नई दिल्ली एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) ने राष्ट्रीय दलों को मिले चंदे को लेकर सोमवार को रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में भाजपा को सबसे ज्यादा 4340.47 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। दूसरे नंबर पर कांग्रेस को 1225.12 करोड़ रुपए मिले। ADR ने रिपोर्ट में बताया कि पार्टियों को चंदे का बड़ा हिस्सा चुनावी बॉन्ड से मिला है। भाजपा ने अपनी कमाई का कुल 50.96% यानी 2211.69 करोड़ रुपए जबकि कांग्रेस ने अपनी इनकम का 83.69% यानी 1025.25 करोड़ रुपए खर्च किया। AAP को चंदे में 22.68 करोड़ रुपए मिले जबकि पार्टी ने उससे ज्यादा 34.09 करोड़ रुपए खर्च किए। सभी पार्टियों को मिले कुल चंदे का 74.57% हिस्सा अकेली भाजपा को मिला है। बाकी 5 दलों को 25.43% चंदा मिला है। **ज्यादातर चंदा चुनावी बॉन्ड से मिला** चुनावी बॉन्ड से भाजपा को सबसे ज्यादा 1685.63 करोड़ रुपए मिले, जबकि कांग्रेस को 828.36 करोड़ रुपए और AAP को 10.15 करोड़ रुपए मिले। तीनों पार्टियों को चुनावी बॉन्ड के जरिए 2524.1361 करोड़ रुपए, यानी कि अपने कुल चंदे के 43.36% रुपए मिले। हालांकि,सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल मई में इस चंदे को असंवैधानिक बताया था। ADR को RTI से मिली जानकारी के अनुसार, भारतीय स्टेट बैंक ने बताया कि 2023-24 में कई पार्टियों ने 4507.56 करोड़ रुपए के चुनावी बॉन्ड भुनाए। राष्ट्रीय दलों ने इस फंड का 55.99% यानी 2524.1361 करोड़ रुपए खर्च किया। CPI (M) को 167.636 करोड़ रुपए का चंदा मिला, जिसमें से उसने 127.283 करोड़ रुपए खर्च किए। बहुजन समाज पार्टी (BSP) को 64.7798 करोड़ रुपए मिले और पार्टी ने 43.18 करोड़ रुपए खर्च किए। नेशनल पीपल्स पार्टी (NPP) को 0.2244 करोड़ रुपए मिले और 1.139 करोड़ रुपए खर्च किए।

कांग्रेस ने सबसे ज्यादा खर्च 619.67 करोड़ रुपए चुनाव पर किया। इसके बाद प्रशासनिक और अन्य कामों में 340.702 करोड़ रुपए खर्च किए। CPI (M) ने प्रशासनिक और अन्य कामों में 56.29 करोड़ रुपए और पार्टी के कर्मचारियों पर 47.57 करोड़ रुपए खर्च किए। 6 पार्टियों में से केवल कांग्रेस (58.56 करोड़ रुपए) और CPI (M) (11.32 करोड़ रुपए) ने कूपन की बिक्री से कुल 69.88 करोड़ रुपए मिलने की घोषणा की।

स्काई डाइविंग के शौकीनों के लिए झारखंड बनेगा बेस्ट प्लेस?

जमशेदपुरः जमशेदपुर में एडवेंचर के शौकीनों के लिए एक खास मौका आया है। अगर आपको आसमान में उड़ान भरने और हजारों फीट की ऊंचाई से छलांग लगाने का रोमांच पसंद है, तो अब आप अपने इस सपने को सच कर सकते हैं। जमशेदपुर के हवाई अड्डे पर स्काई डाइविंग की शुरुआत हो गई है, जो 23 फरवरी तक जारी रहेगी। इस रोमांचक आयोजन का उद्घाटन झारखंड के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने किया। उद्घाटन समारोह में मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि आधुनिक दौर में पर्यटन के क्षेत्र में नए बदलाव देखने को मिल रहे हैं। धार्मिक पर्यटन के अलावा अब वाटरफॉल टूरिज्म, खनन स्थल, जंगल पर्यटन जैसी गतिविधियां भी तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, ताकि झारखंड के लोगों को नए और रोमांचक पर्यटन विकल्प मिल सकें। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में पर्यटन की कई और संभावनाएं मौजूद हैं, जिन पर सरकार लगातार काम कर रही है। **स्काई डाइविंग के प्रति बढ़ती रुचि** स्काई हाई इंडिया के को-फाउंडर दिग्विजय सिंह ने बताया कि इस रोमांचक अनुभव के लिए अब तक करीब 55-56 लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन करा लिया है, और हमें उम्मीद है कि 23 फरवरी तक यह संख्या 100 के पार पहुंच जाएगी। पहले दिन 6 लोगों ने इस रोमांच का आनंद लिया है। इस तरह का आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले यह हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया था।

सैमसंग ने नई बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर सीरीज लॉन्च किया

रांचीः सैमसंग ने नई बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर सीरीज लॉन्च की है, जो 330 लीटर और 350 लीटर की क्षमता में उपलब्ध होगी। यह नई सीरीज एडवांस्ड एआई तकनीक से लैस है, जिसमें एआई एनर्जी मोड, एआई होम केयर और स्मार्ट फॉरवर्ड जैसे फीचर्स शामिल हैं। यह खूबसूरत डिज़ाइन और सुविधाजनक स्टोरेज विकल्पों के साथ आता है। भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, इस सीरीज में स्टाइल, इनोवेशन और बेहतरीन परफॉर्मेंस का शानदार मेल किया गया है।

सैमसंग इंडिया के सीनियर डायरेक्टर, डिजिटल अप्लायंसेज, गुफरान आलम ने कहा, हमारी बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर सीरीज उपभोक्ताओं को तकनीक, डिज़ाइन और सुविधा का बेहतरीन संतुलन प्रदान करती है। यह न केवल एआई से संचालित एनर्जी सेविंग, बल्कि बेहतर कूलिंग और हाईजीन सॉल्यूशंस भी देती है, जो बदलती भारतीय जीवनशैली के अनुरूप है। खूबसूरत फिनिश और स्मार्ट फॉरवर्ड, एआई होम केयर, ट्विन कूलिंग प्लस और कन्वर्टिबल 5-इन-1 मोड्स जैसे एडवांस्ड फीचर्स के साथ, हमारा लक्ष्य अपने ग्राहकों को ऐसे उपकरण देना है जो उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को आसान और अधिक सुविधाजनक बनाएं।

नई बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर सीरीज न केवल स्मार्ट एनर्जी मैनेजमेंट में मदद करती है, बल्कि खाद्य पदार्थों की ताजगी बनाए रखने और एक्टिव फ्रेश फिल्टर जैसी उन्नत सुविधाएँ भी प्रदान करती है। यह फ़िल्टर 99.9 प्रतिषत तक हानिकारक बैक्टीरिया को खत्म करता है, जिससे आपका खाना अधिक सुरक्षित और स्वच्छ बना रहता है। यह सब कुछ स्लीक और कस्टमाइज़ेबल डिज़ाइन में पेश किया गया है।

साहस और हौंसले की बेमिसाल कहानी 'चंदू चैंपियन

रांचीः एक सच्चा चैंपियन सिर्फ जीत से नहीं, बल्कि हर बार गिरकर उठने की हिम्मत से पहचाना जाता है। एंड पिक्चर्स पर 'चंदू चैंपियन' का चैनल प्रीमियर, मंगलवार, 18 फरवरी, रात 8 बजे। कार्तिक आर्यन की यह प्रेरणादायक फिल्म भारत के पहले पैरा ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की सच्ची कहानी पर आधारित है, जिनकी ज़िंदगी में तमाम मुश्किलें आईं, लेकिन उनके हौंसले और मेहनत ने हर चुनौती को मात दी।

फिल्म के निर्देशक कबीर खान ने कहा, "मुरलीकांत पेटकर की कहानी बहुत अहम् है, क्योंकि यह इंसानी जज़्बे की जीत को दर्शाती है। मैं इस फिल्म को ऐसा बनाना चाहता था, जो दर्शकों के दिल को छू जाए। कार्तिक आर्यन ने कहा, "इस किरदार ने मुझे असली जज़्बे और मेहनत का मतलब सिखाया। हर चुनौती हमें कुछ नया सिखाती है और हमारे व्यक्तित्व को गढ़ती है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म लोगों को अपने सपनों के लिए मेहनत करने और कभी हार न मानने का हौंसला देगी।

रेलवे स्टेशन पर अनियंत्रित भीड़ को नियंत्रित की ठोस पहल होः चैंबर

रांचीः महाकुंभ मेला की भीड़ के कारण ट्रेनों में बढ़ते यात्री दबाव से यात्रियों को परेशानी नहीं हो इसके लिए झारखण्ड चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने डीआरएम को पत्राचार किया। रांची रेलवे स्टेशन पर रविवार को अनियंत्रित भीड़ के कारण यात्रियों को हुई असुविधा पर चिंता जताते हुए चैम्बर के डीआरयूसीसी प्रतिनिधि संजय अखौरी ने यह सुझाया कि एयरपोर्ट की भांति रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर यात्री टिकट की जांच सख्ती से की जाय। यह सुनिश्चित किया जाय कि बिना वैध टिकट के यात्री प्लेटफॉर्म में प्रवेश न कर सकें। संभव हो, तब कुंभ मेला तक प्लेटफॉर्म टिकट जारी ही नहीं किया जाय ताकि कम से कम लोगों का प्रवेश प्लेटफॉर्म में हो सके। उन्होंने यह भी सुझाया कि स्टेशन की खिड़की से जारी किये जानेवाले सामान्य श्रेणी के टिकटों को एक निश्चित संख्या के बाद जारी किया जाना बंद किया जाय ताकि बिना टिकट के यात्री सफर करने से परहेज कर सकें।

चैम्बर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि रिजर्वेशन वाले यात्री को असुविधा न हो। अनियंत्रित भीड़ के कारण कोई अप्रिय घटना न हो, इस हेतु जरुरी है कि रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में आरपीएफ की तैनाती की जाय ताकि यात्रियों को कठिनाई से बचाया जा सके। यदि सुविधा हो तब यात्रियों को प्रवेश द्वार के पहले ही पार्किंग स्थल पर बैठने की उपयुक्त व्यवस्था की जाय तथा ट्रेन आने से एक घंटे पूर्व केवल उसी ट्रेन के यात्रियों को प्लेटफॉर्म में प्रवेश की अनुमति दी जाय। इससे अन्य ट्रेन के यात्रियों की भीड़ को स्टेशन के बाहर ही रोका जा सकता है।

यात्रियों की सुविधा के लिए रांची रेलमंडल द्वारा 19 फरवरी को कुंभ स्पेशल ट्रेन चलाने के दक्षिण पूर्व रेलवे को दिए गए प्रस्ताव को उचित बताते हुए चैम्बर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि कुंभ मेला चलने तक प्रतिदिन रांची से स्पेशल ट्रेन परिचालित करने का प्रयास किया जाय। संभव हो तो इन ट्रेनों को दो मार्गों से (वाया बोकारो तथा वाया बरकाकाना) परिचालित कराया जाय। इससे यात्री भार को नियंत्रित किया जा सकता है। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनील सरावगी ने दी।

शारदा विद्या मंदिर स्कूल में वार्षिक अनुष्ठान

धनबाद। मनइटाड़ बस्ती स्थित शारदा विद्या मंदिर स्कूल में वार्षिक अनुष्ठान का आयोजन हुआ, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों द्वारा नित्य एवं संगीत का आयोजन किया गया, स्कूल के निर्देशक शिव शंकर सिंह ने कहा कि हमारे स्कूल की ओर से प्रतेक साल एसा आयोजन करते हैं, इसमें छोटे-छोटे बच्चे अपने प्रतिभा दिखा सके, साथी उन्होंने कहा कि बच्ची बच्चियों को वर्तमान समय में मोबाइल से दूर रहकर योगा एवं खेलकूद में रुचि रखना चाहिए, स्वस्थ अगर तंदुरुस्त, सेहतमंद रहता है तो आप पढ़ाई में भी तंदुरुस्त रहेंगे।

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त ने लोगों से मुलाकात की

रांची। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री जनता दरबार में लोगों की समस्याओं से अवगत हुए। लोगों की समस्याओं को सुनते हुए उन्होंने मामले के जल्द निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

केस-1 हिनू के रहने वाले एक व्यक्ति ने जनता दरबार मे फी जमा नहीं कर पाने पर स्कूल प्रबंधन द्वारा बच्चे का सर्टिफिकेट प्रदान नहीं किये जाने के संबंध में आवेदन दिया। व्यक्ति द्वारा बताया गया कि वो स्कूल का पूरा शुल्क खराब आर्थिक स्थिति के कारण चुका नहीं सकता और प्रमाण-पत्र जारी नहीं किए जाने के कारण उसके बच्चे का 11वीं में नामांकन नहीं हो पा रहा है। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा इस संबंध में स्कूल प्रबंधन से बात कर समाधान का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया गया।

केस-2 कम्प्यूटर जनित प्रति में रकबा की अशुद्धि में सुधार को लेकर एक व्यक्ति द्वारा जनता दरबार में आवेदन दिया गया। जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा राजस्व कर्मी से ऑनलाइन पूरी जानकारी प्राप्त कर कांके अंचल अधिकारी को मामले के निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। केस-3 एक महिला द्वारा पॉलिसी की फोरक्लोजर राशि आवास ऋण खाते में स्थानांतरित करने के संबंध में आवेदन दिया गया। इस संबंध में जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी को बैंक से बात कर निष्पादन का निर्देश दिया गया।

मोरहाबादी मैदान में चल रहे मेगा ट्रेड फेयर का समापन, अंतिम दिन भी जमकर खरीदारी

रांचीः मोरहाबादी मैदान में आयोजित 16वें इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर का समापन सोमवार को हो गया। फेयर के अंतिम दिन भी हजारों की संख्या में लोग खरीदारी करने पहुंचे और ऑफर का लाभ उठाया। अंतिम दिन कई स्टॉल धारकों ने कई उत्पादों पर ऑफर दिए, इस कारण लोगों ने भी खरीदारी की। लगभग सभी स्टॉल में खरीदारों की भीड़ दिखी। वहीं, लोगों ने खरीदारी के साथ विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भी लुफ्त उठाया। लोग अपने परिवार और दोस्तों संग फेयर घुमा और जरूरत के अनुसार खरीदारी की। ज्ञात हो कि ट्रेड फेयर में आठ देशों और 15 राज्यों के उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। इस प्रदर्शनी में 35 हजार से अधिक उत्पादों को लोगों को देखने और खरीदने का अवसर प्राप्त हुआ। वहीं, ऑटोमोबाइल के स्टाल में भी लोगों की भीड़ देखी। लोग गाड़ियों की इंक्वारी करते दिखे।

प्रदीप वर्मा पहुंचे ट्रेड फेयर, आयोजन की तारीफ की सोमवार को राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ट्रेड फेयर पहुंचे। उनका स्वागत झारखंड चैंबर के पदाधिकारियों ने किया। इस दौरान उन्होंने ट्रेड फेयर में लगे स्टालों का भ्रमण किया। कई स्टॉल धारकों से बातचीत भी की। इस अवसर पर झारखंड चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष ज्योति कुमारी, राहुल साबू, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव नवजोत अलंग, विकास विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा समेत अन्य मौजूद थे।

चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी और महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने झारखंड चैंबर और जीएस मार्केटिंग एसोसिएट के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित ट्रेड फेयर सफल बताया और कहा कि ट्रेड फेयर के अंतिम दिन भी लोगों ने जमकर खरीदारी की। रांचीवासियों ने ट्रेड फेयर को बहुत ही प्यार दिया और आयोजन की तारीफ की। अगले साल भी ट्रेड फेयर का आयोजन वृहद स्तर पर किया जाएगा। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

डीएवी शिक्षा दीप स्कूल कमड़े में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

रांचीः डीएवी शिक्षा दीप स्कूल कमड़े में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन प्राचार्य ए.के. राय के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस मौके पर मुख्यअतिथि के रूप में वरीय अधिवक्ता डॉक्टर प्रणव कुमार बब्बू, एवं विशिष्ठ अतिथि महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष अनिल यादव,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,साहित्यकार संतोष दीपक,कलावती स्कूल आफ नर्सिंग के प्रशासनिक पदाधिकारी विश्वदीपक पांडे, देशबंधु आई.टी.आई.के प्राचार्य सतीश कुमार,विद्यालय के संस्थापिका नीलम देवी, निदेशक मंडली के शिवनंदन पाठक, प्रभास गौरव,प्रशासनिक पदाधिकारी लालमोहन पाठक आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर हुआ। बच्चों ने विज्ञान प्रदर्शनी में निम्नलिखित जीवंत मॉडल प्रस्तुत किए, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, शुद्ध शहद के गुण एवं पहचान, ट्रैफिक (यातायात) प्रणाली,संतुलित भोजन सारिणी, पॉल्यूशन कंट्रोल प्रणाली,ग्रीन हाउस प्रोजेक्ट,वॉटर प्यूरीफायर,स्मार्ट सिटी मॉडल, चुंबकत्व प्रणाली, स्ट्रीट लाइट, पर्यावरण मॉडल, वर्षा फॉर्मूला के पानी का संचयन विधि, गणित एवं अन्य 25 मॉडल प्रस्तुतकर अतिथियों एवं अभिभावकों को अचंभित कर दिया।मौके पर मुख्यअतिथि डॉक्टर प्रणव कुमार बब्बू ने कहा शिक्षा के प्रचार प्रसार से ही देश का विकास संभव है।ये सभी बच्चे देश के भविष्य हैं ये हुनर वाज बच्चे एक दिन जरूर वैज्ञानिक बनेंगे।शिवनंदन पाठक ने कहा बच्चों के अंदर सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय मे विज्ञान प्रदर्शनी का होना अति आवश्यक है। ज्ञान के बगैर विज्ञान अधूरी है और मानी जाती है। शिवकिशोर शर्मा ने सभी बच्चे के उज्जवल भविष्य की कामना की। आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से वंदना गुप्ता,रीमा सिंह,गीता रानी,शंभू कुमार,स्वाति कुमारी,आरती सिंह,अंजुला पाठक,कीर्ति कुमारी,मनीषा कुमारी शाह एवं प्रवक्ता कुणाल कौशल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। धन्यवाद ज्ञापन वरीय शिक्षिका संगीता कुमारी ने किया।

युवा राजद रांची महानगर ने दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे के खिलाफ किया विरोध प्रदर्शन

रांचीः युवा राष्ट्रीय जनता दल रांची महानगर ने दिल्ली रेलवे स्टेशन में हुए दर्दनाक हादसे के विरोध में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष रवींद्र कुमार सिंह ने की। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव मुख्य रूप से उपस्थित थे। विरोध प्रदर्शन के दौरान युवा राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष रंजन कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग किया ऐसे लापरवाह और गैर जिम्मेदार रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का अविलंब इस्तीफा मांगे या पदमुक्त करें।

युवा राष्ट्रीय जनता दल, रांची महानगर ने इस हादसे के लिए सरकार को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया और केंद्र सरकार से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने तथा रेल व्यवस्था में सुधार करने की मांग की।

इस विरोध प्रदर्शन में प्रमुख रूप से विजय राम, गायत्री देवी, जफीर खान, क्षितिज मिश्रा, रवि जायसवाल, कमलेश सिंह, अजय यादव, उज्जवल सिंह, अभिषेक यादव, आशुतोष कुमार, विवेक कुमार, रवि शंकर तिवारी, सूरज कुमार, रोहित कुमार, राजकुमार, यश कुमार, रवि गोस्वामी, सांसद दशरथ कुमार, आनंद कुमार, बबलू मंडल, जयकुमार, सलीम कुमार, दीपक कुमार, सलीम, कमलेश कुमार सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस कोर्स का आयोजन

रांचीः दी इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया की आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस कमिटी के द्वारा सोमवार से रांची में सीएमपीडीआई के कोयल हॉल में तीन दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स ऑन आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस आयोजित किया जा रहा है। यह कोर्स विशेषरूप से चार्टर्ड एकाउंटेंट्स प्रोफेशनल के लिए उनके कार्यों में आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस का प्रयोग की प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कोर्स के आरम्भ में इस तीन दिवसीय कोर्स के उघाटन पर इस ट्रेनिंग के लिए उपस्थित सभी चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को सम्बोधित करते हुए रांची शाखा के चेयरपर्सन सीए श्रद्धा बगला ने कहा कि आज पुरे विश्व में आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता तीव्र गति से बाद रही है पुरे विश्व में यह इसके ट्रेनिंग, इसका सदुपयोग आदि को लेकर परिचर्चा चल रही है और सीए इंस्टिट्यूट इन सभी को देखते हुए हम चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रोफेशनल के लिए किस प्रकार से यह हमरे कार्यों के लिए सुविधाजनक है के विषय में एक वर्ष पूर्व आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस विषय पर तीन दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स की घोषणा किया था। अभी तक यह कोर्स विशेषरूप से आईसीएआई की सेंटर फॉर एक्सीलेंस जो की मेट्रो सिटीज में स्थित है हो रही थी। यह कोर्स रांची में पहली बार हो रही है जो कि रांची के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के लिए काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताई कि इस कोर्स के ट्रेनिंग के लिए विशेषज्ञ मुंबई और हैदराबाद से आ रहे है। उन्होंने बताई कि रांची शाखा के विशेष अनुरोध पर रांची में इस बैच में प्रतिभागियों कि संख्या 50 से 71 किया गया है। इस अवसर पर रांची शाखा के सचिव सीए हरेन्दर भर्ती और कोषध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया भी उपस्थित थे।

इक़फ़ाई विश्वविद्यालय झारखंड में "नेतृत्व और आत्म दक्षता" पर छात्र विकास कार्यक्रम

रांचीः इक़फ़ाई विश्वविद्यालय झारखंड में "नेतृत्व और आत्म दक्षता" पर छात्र विकास कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। छात्र विकास कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) दीपक कुमार श्रीवास्तव, निदेशक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, रांची ने किया। उन्होंने छात्रों को तीन आर- प्रासंगिकता, कठोरता और जवाबदेही पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया। उन्होंने सीआई- सह-बुद्धिमत्ता के महत्व पर प्रकाश डाला।

विश्वविद्यालय के कुलपति- प्रोफेसर (डॉ.) रमन कुमार झा ने छात्रों को संबोधित किया और उन्हें नकारात्मकता को दूर करने और सकारात्मक विचारों को आत्मसात करने का मार्गदर्शन दिया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत रजिस्ट्रार, प्रोफेसर (डॉ.) जे.बी पटनायक के स्वागत भाषण से हुई। डॉ. एस. चौधरी, डीएसडब्ल्यू ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों में नेतृत्व की बारीकियों को विकसित करने और उन्हें आत्म-दक्षता के महत्व को समझाने के लिए आयोजित किया गया है।

पांच समृद्ध सत्रों वाले एसडीपी का संयोजन डॉ. ऋषि कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया। छात्र विकास कार्यक्रम के अन्य अतिथि वक्ताओं में प्रोफेसर गौरव एम. मराठे, आईआईएम रांची, डॉ. सिंधुजा मिश्रा, संस्थापक- साइकोलॉजिक्स. कॉम और कनिका मल्होत्रा- संस्थापक-आईलीड एचआर शामिल थे। विश्वविद्यालय क़े छात्रों ने सत्र में भाग लिया और यह उनके लिए बहुत उपयोगी रहा।

रांची रेल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ का प्रबंधन

रांचीः रांची रेल मंडल यात्रियों की सहायता एवं सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर है । हाल के दिनों में रांची रेल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, विशेष कर प्रयागराज (महाकुंभ 2025) की ओर जाने वाली ट्रेनों के समय में प्रमुख स्टेशनों पर एवं ट्रेनों में यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है। रांची रेल मंडल यात्रियों की बढ़ी हुई इस भीड़ का समुचित प्रबंधन रही है । मंडल के प्रमुख स्टेशनों की मॉनीटरिंग उच्च अधिकारी लगातार कर रहे हैं । पर्याप्त संख्या में रेल सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती है, साथ ही रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी भीड़ के प्रबंधन एवं यात्रियों की सहायता के लिए स्टेशनों पर उपलब्ध हैं। स्टेशनों पर यात्रियों के अतिरिक्त भीड़ के प्रबंधन के लिए प्लेटफार्म पर सिर्फ वैसे यात्रियों को प्रवेश दिया जा रहा है जिनकी ट्रेन का समय हो गया हो तथा उनके पास यात्रा के लिए वैध टिकट है। अनारक्षित कोचों में यात्रा करने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के प्रबंधन के लिए रेल प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ट्रेन के अनारक्षित कोचों की क्षमता अनुसार ही टिकट यात्रियों को दी जाय। स्टेशनों पर ट्रेन संबंधी जानकारी बार-बार अनाउंसमेंट कर यात्रियों को दी जा रही है, तथा अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से यात्रियों के लिए दिशा - निर्देश जारी किए जा रहे हैं, यात्रियों से अनुरोध है. कि वे उन दिशा - निर्देशों का अवश्य पालन करें।

गोमिया के पूर्व विधायक व आजसू पार्टी के संस्थापक सदस्य लंबोदर महतो की तबीयत बिगड़ गई

रांची : गोमिया के पूर्व विधायक व आजसू पार्टी के संस्थापक सदस्य लंबोदर महतो की तबीयत बिगड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार उन्हें चेन्नई के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है. उनके खराब स्वास्थ्य की जानकारी मिलने के बाद आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो समेत कई आजसू नेताओं ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

बताते चलें कि लंबोदर महतो आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हैं। 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान गोमिया सीट पर उन्हें झामुमो प्रत्याशी और मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने हराया था। लंबा राजनीतिक अनुभव रखने वाले लंबोदर महतो आजसू पार्टी के थिंक टैंक और सुदेश महतो के करीबी नेता माने जाते हैं।

शहीद वीर बुधू भगत की जयंती समारोह आज

चान्हो : 1832 में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंकने वाले अमर शहीद वीर बुधू भगत की जयंती समारोह का आयोजन प्रखंड के सिलागांई गांव में हर साल 17 फरवरी को किया जाता है। शहीद के 233वीं जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा व उदघाटन कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की व सांसद सुदर्शन भगत करेंगे। कोल विद्रोह व लरका आंदोलन की अगुआई करनेवाले महानायक क्रांतिकारी बुधू भगत का जन्म 17 फरवरी 1792 को सिलागांई गांव में ही हुआ था। गांव में आज भी उनकी स्मृति से जुड़े पूजा स्थल, वीर पानी व पिंडी मौजूद हैं। सिलागांई टोंगरी में उनकी घोड़े में सवार व एक अन्य प्रतिमा भी स्थापित है। इतिहास में उल्लेख है कि 1831-32 में अंग्रेजी सेना के नाक में दम करनेवाले वीर बुधू भगत को पकड़ने पर अंग्रेजों ने उस समय उन पर एक हजार रुपये के इनाम की घोषणा की थी। लेकिन वह अंग्रेजों के हाथ नहीं लगे।

बुधू भगत 13 फरवरी 1832 को अंग्रेजी सेना से जंग लड़ते शहीद हो गये थे।

पलामू के अपराधियों ने युवक को मारी गोली, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

पलामू : जिले के मनातू थाना क्षेत्र के बांसी खुर्द में अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी है। युवक की पहचान जावेद खान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि जावेद खान के पेट में गोली मारी गई है। उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। बाद में उसे बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां जावेद की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मनातू थाने की पुलिस मौके पर पहुंची है और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, जावेद अपने भाई तौहीद के घर गया था। घर से लौटते वक्त यह घटना हुई। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे। जिस इलाके में यह घटना हुई, वह बड़े जंगल के इलाके से सटा हुआ है। मनातू थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

चोरी की 07 मोटरसाइकिल/स्कुटी के साथ तीन गिरफ्तार

लातेहार : पलामू टाइगर रिजर्व अंतर्गत गारू पश्चिमी वन क्षेत्र में एक जंगली हाथी की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद रविवार को वन विभाग की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि हाथी के पोस्टमार्टम होने के बाद ही मौत का कारण पता चल पाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को वन विभाग को सूचना मिली कि वन क्षेत्र के बीसी 10 में एक हाथी की मौत हो गई है। सूचना के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन की। बाद में डिप्टी डायरेक्टर कुमार आशीष के निर्देश पर मृतक हाथी के पोस्टमार्टम के लिए चिकित्सकों की टीम के साथ वन विभाग के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। बताया जाता है कि हाथी की मौत बीती रात ही हो गई है। घटनास्थल पर कुछ खून के छींटें भी मिले हैं।

इधर इस संबंध में डिप्टी डायरेक्टर कुमार आशीष ने बताया कि संभावना जताई जा रही है कि हाथियों के आपसी संघर्ष में यह घटना हुई होगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल वन विभाग पूरे मामले की छानबीन कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

शहीद वीर बुधू भगत जयंती : जतरा मेला में पहुंचे सुखदेव भगत

लोहरदगा : झारखंड के महान स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद वीर बुधू भगत की जयंती पर भव्य जतरा सह विकास मेला का आयोजन मैना बगीचा मैदान में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सांसद सुखदेव भगत के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह शामिल हुईं। साथ ही कार्यक्रम में कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत, झारखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित कई गण्यमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान अमर शहीद वीर बुद्धू भगत की प्रतिमा पर अतिथियों द्वारा मल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। जतरा सह विकास मेला में कई विभागों के स्टॉल लगाई गए और मंत्री द्वारा कई योजनाओं को लेकर परिसंपति का वितरण किया गया। जतरा सह विकास मेला में लोगो की भीड़ उमड़ पड़ी और आदिवासी जतरा नृत्य का भी आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को लेकर सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि कई अमर शहीदो को उनकी पहचान नहीं मिल पाई है और लोग उनके बलिदान को नहीं जान पाते है इसी उद्देश्य से जतरा सह विकास मेला का आयोजन किया गया ताकि लोग उनके बलिदान को जान पाए और इनके कार्यों को झारखंड के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। वहीं मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि आजादी के बाद जो पहचान झारखंड के अमर शहीदों को मिलनी चाहिए थी उसमें कमी है हमारी सरकार इसे दूर करेगी और जो पहचान और विकास उनके गांव की होनी चाहिए वो करेंगे। शहीद स्थल वाले क्षेत्रों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा और अमर शहीदो की वीर गाथा को झारखंड के पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने का हर प्रयास किया जाएगा।

भाकपा माले के नेतृत्व में वेतन बढ़ाने को लेकर साइडिंग के मजदूरों का चक्का जाम आंदोलन दूसरे दिन के जारी रहा आंदोलन

तिसरा। भाकपा माले के नेतृत्व में वेतन बढ़ाने को लेकर साइडिंग के मजदूरों का चक्का जाम आंदोलन दूसरे दिन के जारी रहा आंदोलन के कारण कुजामा परियोजना का काम पूरी तरह बंद रहा जबकि टांसपोर्ट भी बंद हो गई इस बंदी से बी सी सी एल को एक करोड़ से अधिकार नुकसान बताया जाता है। बताते हैं कि पिछले 21 दिनों से गोल 6 साइडिंग के मजदूर 13,000 वेतनमान कि मांग को लेकर आंदोलन पर हैं आंदोलन के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो रविवार आउटसोर्सिंग परियोजना का चक्का जाम कर दिया यहां डेढ़ सौ मजदूर काम करते हैं आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं जिला सचिव बिंदा पासवान और बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पासवान ने बताया कि ठेकेदार एक काम एक और वेतन अलग-अलग यह कैसा नीति है साइडिंग में काम करने वाले आधे मजदूरों को 13हजार आधे मजदूर को 11000 यह कैसा न्याय है।

चाईबासा में सुरक्षाबलों ने टाल दी बड़ी अनहोनी, 20 और पांच किलो के दो शक्तिशाली IED बम बरमाद कर किया डिफ्यूज़

चाईबासा : चाईबासा में सुरक्षाबलों के जवानों ने फिर से उम्दा कामयाबी हासिल की है। सर्च ऑपरेशन पर निकले जवानों ने दो शक्तिशाली IED बम बरामद किये हैं। एक बम 20 किलो का है, वहीं, दूसरा पांच किलो का। बम चाईबासा के गुवा थाना क्षेत्र के गुवा और रोवाम रोड के बीच गंगदा के आस-पास जंगली / पहाड़ी इलाके में प्लांट किया गया था। यह IED बम सुरक्षबलों के जवानों को नुसकान पहंचाने के इरादे से नक्सलियों ने लगाया था। बरामद IED को बम निरोधक दस्ता की मदद से डिफ्यूज कर दिया गया है। वहीं सर्च ऑपरेशन जारी है।

यहां याद दिला दें कि नक्सलियों के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया और अश्विन के सारंडा और कोल्हान इलाकों में मूवमेंट की खबर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। चाईबासा पुलिस, कोबरा 209 BN, 203 BN, झारखंड जगुआर और CRPF 60 BN, 197 BN, 174 BN, 193 BN, 134 BN, 26 BN, की संयुक्त टीमें इस अभियान में जुटी हैं। सर्च ऑपरेशन के दरम्यान ही आज यानी रविवार को सुरक्षाबलों को यह कामयाबी हाथ लगी है।

SP अमन का सख्त निर्देश- एक हफ्ते के भीतर खूंटी को करें अफीम मुक्त

खूंटी : खूंटी SP अमन कुमार ने पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर जिले में चल रहे अफीम विनष्टीकरण अभियान की समीक्षा की। बैठक में SP ने सभी पुलिस अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर जिले को अफीम मुक्त बनाने का निर्देश दिया और अवैध अफीम की फसलों को नष्ट करने के लिए तत्परता से काम करने का आह्वान किया।

बैठक में SP ने DSP, ASP और थाना प्रभारी से अफीम की खेती के खिलाफ किए गए अब तक के अभियानों की जानकारी ली। उन्होंने अफीम की फसलें नष्ट करने की प्रगति का आंकड़ा भी लिया और बताया कि अभी भी जिले में लगभग ढाई हजार एकड़ भूमि पर अफीम की खेती बची हुई है, जिसे अगले एक सप्ताह में पूरी तरह नष्ट किया जाना है।

ट्रैक्टर, ड्रोन और पुलिस बल के उपयोग का निर्देश SP ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस अभियान को योजनाबद्ध तरीके से संचालित करें और अफीम की खेती नष्ट करने के लिए ट्रैक्टर, ड्रोन और अतिरिक्त पुलिस बल का उचित उपयोग करें। इसके अलावा SP ने कहा कि ड्रोन से अफीम के खेतों की मैपिंग की जा रही है, और इसे खूंटी, सायको, मारंगहादा, मुरहू और अड़की थाना क्षेत्र में लागू किया गया है।

अफीम उगाने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : SP SP ने पुलिस अधिकारियों को अफीम की खेती करने वालों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया। इसके साथ ही, उन्होंने लोगों को अफीम की खेती से होने वाले नुकसानों के बारे में जागरूक करने के लिए एक जागरुकता अभियान चलाने का आदेश दिया।

महाकुंभ मेला को लेकर यात्रियों के आवागमन के मद्देनजर राज्य के विभिन्न रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा-व्यवस्था सुदृढ़

रांची।अमहानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड के निर्देशानुसार, संजय आनन्दराव लाठकर अपर पुलिस महानिदेशक, झारखण्ड ने पुलिस मुख्यालय सभागार से महाकुंभ मेला को लेकर यात्रियों के आवागमन के मद्देनजर राज्य के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा-व्यवस्था सुदृढ़ बनाने हेतु व्यापक रूप से समीक्षा बैठक की।

बैठक के कम में दिनांक- 26.02.2025 तक चलने वाले प्रयागराज महाकुंभ मेले को लेकर यात्रियों के यात्रा के मद्देनजर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा-व्यवस्था सुदृढ़ करने से संबंधित निम्न तथ्यों पर व्यापक रूप से समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये :-

1. जिला पुलिस कन्ट्रोल रूम एवं स्थानीय रेलवे स्टेशन में उपलब्ध कन्ट्रोल रूम से आपसी समन्वय स्थापित की जाय ताकि रेलवे स्टेशन और जिला पुलिस कन्ट्रोल रूम में सीधा समन्वय बना रहे।
2. रेलवे स्टेशन कन्ट्रोल रूम एवं उसके माध्यम से जिला पुलिस कन्ट्रोल रूम में उक्त स्टेशन पर आने वाली सभी महत्वपूर्ण ट्रेन विशेषकर जो बनारस / प्रयागराज की ओर जा रही हो या वहाँ से आ रही हो, की जानकारी उपलब्ध रखना सुनिश्चित की जाय।
3. सभी पुलिस अधीक्षक / उपायुक्त जिला में कम से कम एक पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारी एवं दण्डाधिकारी को ऐसे रेलवे स्टेशन, जहाँ पर भीड़ अधिक होने की उम्मीद हो, पर प्रतिनियुक्त करेंगे, जो वहाँ के सुरक्षा व्यवस्था के लिए सम्पूर्ण रूप से जिम्मेवार होंगे। उक्त प्रतिनियुक्त प्रभारी अधिकारी / दण्डाधिकारी का मोबाईल नम्बर / वॉट्सऐप नम्बर इत्यादि रेलवे कन्ट्रोल रूम और जिला पुलिस कन्ट्रोल रूम में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे, ताकि आपसी समन्वय स्थापित कर आपातकालीन स्थिति में यथाशीघ्र यात्रियों को सहयोग एवं विधि-व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। रेलवे स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने हेतु रेलवे से आपसी समन्वय स्थापित कर माईकिंग की व्यवस्था करना सुनिश्चित की जाय ताकि आवश्यकता अनुसार Announcement कर भीड़ सुव्यस्थित किया जा सके।
4. भीड़-भाड़ वाले रेलवे स्टेशनों पर ट्रैफिक की सम्पूर्ण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए यात्रियों के भीड़ को व्यवस्थित करने हेतु पुलिस पदाधिकारी / दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की जाय।
5. जी०आर०पी०/ आर०पी०एफ० के साथ रेलवे स्टेशन में प्रवेश करने वाले सभी द्वारों / भागों में पर्याप्त संख्या में बल उपलब्ध कराया जाय ताकि अनावश्यक लोग या बिना टिकट के लोग स्टेशन पर पीक आवर में प्रवेश न करें। जिला स्तर से प्रतिनियुक्त पुलिस अधिकारी / दण्डाधिकारी / बल (जो स्टेशन की सम्पूर्ण सुरक्षा के प्रभार में होगा) का दायित्व होगा कि वह स्टेशन में प्रवेश एवं निकास वाले सभी भागों को चिन्हित करके रखेंगे ताकि आवश्यकता पड़ने पर उस स्थान का प्रयोग भीड़ को कम करने में किया जा सके। प्रतिनियुक्त पुलिस अधिकारी / दण्डाधिकारी रेलवे स्टेशन से लगातार सम्पर्क में रहेंगे ताकि ट्रेनों के आवागमन के संबंध में जानकारी प्राप्त हो सके एवं स्टेशनों पर आने वाली ट्रेनों पर सवार यात्रियों के भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।
6. प्रतिनियुक्त पुलिस अधिकारी / दण्डाधिकारी यह समीक्षा करेंगे कि रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त सी०सी०टी०भी० कवरेज है अथवा नहीं। यदि है तो वहाँ पर जी०आर०पी०/आर०पी०एफ० के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सी०सी०टी०भी० के माध्यम से भीड़ वाले स्थानों पर नजर रखेंगे ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर अविलम्ब वांछित कार्रवाई की जा सके।
7. प्रयागराज महाकुंभ मेला को लेकर यात्रियों का आवागमन मुख्यतः रेल मार्ग से हो रहा है जिसमें काफी संख्या में स्टेशनों / ट्रेनों में पुरूष/महिला/बच्चे / बुजूर्ग पूरे परिवार के साथ यात्रा करने को आतुर रहते हैं जिससे रेलवे स्टेशन / ट्रेन में जरूरत से ज्यादा काफी भीड़-भाड़ इकट्ठा हो जाने के कारण यात्रियों द्वारा ट्रेन को पकड़ने के लिए भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी जाती है। ऐसी स्थिति उत्पन्न होने की संभावना के पूर्व ही सभी व्यवस्थाएं को सुदृढ़ की जाय।
8. प्रतिनियुक्त पुलिस अधिकारी / दण्डाधिकारी रेलवे स्टेशन से आपसी समन्वय स्थापित करते हुए यह जानकारी अवश्य पता करेंगे कि कौन सी ट्रेन रद्द है एवं अचानक किसी कारण से कौन सी ट्रेन रद्द की गयी है।
9. प्रतिनियुक्त पुलिस अधिकारी / दण्डाधिकारी रेलवे से आपसी समन्वय स्थापित कर यात्रियों के आवागमन को लेकर स्टेशन पर बनाये गए फुट ओवर ब्रीज पर विशेष ध्यान देंगे ताकिफुटओवर ब्रीज पर एक साथ काफी भीड़-भाड़ इकट्ठा न हो सके। भीड़-भाड़ इकट्ठा होने पर यात्रियों में भगदड की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।
10. आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए स्टेशन पर यथासंभव एक एम्बुलेंश पारायेडिक्स स्टाफ के साथ प्रतिनियुक्ति की जाय। स्थानीय पुलिसकर्मी के पास प्राथमिकी उपचार किट उपलब्ध रहे। उपायुक्त अपने स्तर से डॉक्टर की प्रतिनियुक्ति करेंगे इसकी भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
11. प्रयागराज महाकुंभ मेला को लेकर अधिक से अधिक संख्या में आने वाले भीड़ की संख्या की आसूचना का संकलन निश्चित रूप से पूर्व में ही एकत्रित कर ली जाय ताकि स्टेशन पर काफी भीड़ इकट्ठा होने पर यात्रियों के लिए सड़क मार्ग की वैकल्पिक व्यवस्था सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाय ताकि रेलवे पर कम बोझ पड़ सके तथा यह भी सुनिश्चित किया जाय कि यात्रियों द्वारा प्रयोग किए जा रहें सड़क मार्गों पर दुर्घटना न हो इसकी सतर्कता बरती जाए।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं का कड़ाई से अनुपालन सभी वरीय पुलिस अधीक्षक / पुलिस अधीक्षक निश्चित रूप से करना सुनिश्चित करेंगे। सभी प्रक्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक / उप-महानिरीक्षक उपरोक्त सभी व्यवस्थाओं का अनुश्रवण अपने स्तर से करना सुनिश्चित करेंगे।

समर्पण एक नेक पहल संस्था के पहल पर महिला मरीज को रक्त उपलब्ध कराई गई

कतरास श्री कृष्णा मातृ सदन अस्पताल में ईलाजरत 45 वर्षीय महिला मरीज के लिए डॉक्टर ने तत्काल ए पॉजिटिव रक्त व्यवस्था करने की बात मरीज के परिजन से कहा क्योंकि मरीज शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बहुत कम हो गई थी इसकी सूचना परिजन ने सामाजिक संस्था समर्पण एक नेक पहल संस्था के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष दिपेश चौहान तथा केंद्रीय सचिव राज गोस्वामी को देते हुए रक्त उपलब्ध कराने का आग्रह किया जिसे तुरंत स्वीकार करते हुए श्री चौहान ने धनबाद श्रीनिवास ब्लड सेंटर के प्रबंधक आशुतोष झा से बात कर मरीज के लिए तत्काल रक्त प्रदान करने का अनुरोध किया जिसके कुछ ही देर पश्चात मरीज के रक्त प्रदान कर दी गई l

संस्था के द्वारा लगातार जरूरतमंद लोगों को रक्त उपलब्ध करा कर जीवनदान देने का कार्य किया जा रहा हैं जो जनहित के किए एक बहुत बड़ी पहल हैं l

मुरहू थाना में अवैध अफीम के खेती के विनष्टीकरण तथा संलिप्त व्यक्तियों के गिरफ्तारी

मुरहू थाना में अवैध अफीम के खेती के विनष्टीकरण तथा संलिप्त व्यक्तियों के गिरफ्तारी हेतू चलाये जा रहे छापामारी अभियान के दौरान मुरहू थानान्तर्गत ग्राम- सुरुंदा, गुटीगड़ा एवं चेंदागुटू से एक-एक व्यक्ति कुल तीन व्यक्तियों को अवैध अफीम के खेत से गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता

1. राम मुंडा उम्र करीब 46 वर्ष, पिता- स्व0 बिरसा मुंडा ग्राम- सुरौंदा,
2. मंगल मुण्डा उम्र करीब 36 वर्ष पिता- स्व० भोला मुण्डा ग्राम- गुटीगड़ा,
3. रोनियस कंडीर उम्र करीब 30 वर्ष पिता- बैंजामिन कंडीर ग्राम- चेंदागुटू, सभी थाना- मुरहू, जिला- खूँटी।छापामारी दल1. पु०अ०नि० रामदेव यादव, थाना प्रभारी, मुरहू थाना।2. पु०अ०नि० कंचन कुमार कुशवाहा, मुरहू थाना।3. पु०अ०नि० जितेन्द्र राम, मुरहू थाना।4. जैप-04 (बोकारो), वर्तमान मुरहू थाना रिजर्व गार्ड। 5. जैप-06 के जवान लाठी बल।

अफीम की खेती को ट्रैक्टर तथा ग्रास कटर मशीन चला कर विनिष्ट किया

दिनांक-17/02/2025 को कैप्टेन सिंकू वर्तमान में अचंलाधिकारी खरसावाँ के नेतृत्व में थाना प्रभारी खरस ओ-०पी० प्रभारी आमदा, और SSB G Coy बटालियन रायजामा साथ सशस्त्र बल के अवैध अफीम की के सत्यापन के क्रम में लखनडीह गाँव में गुरु डेम से सटे जंगली क्षेत्र में सुरु नाला के आस-पास अवैध पो (अफीम) की खेती की गई है, जिसमें फुल एवं फल निकला हुआ है। तथा अवैध अफीम के खेत से दो व्या को चीरा लगाते हुए पकड़ा गया है। इस संबंध में खरसावाँ थाना कांड संख्या 18/25 दिनांक-17.02.20 धारा- 8(b)/18 NDPS Act अंकित किया गया है। तथा प्राथ० अभि० (1) सोयना मुण्डा, उम्र करीब 25 पिता- बुधु मुण्डा, (2) रुईया मुण्डा, उम्र करीब 55 वर्ष, पिता- स्व० मानकी मुण्डा, दोनों पता- टोला-टुंगरी, लखनडीह, थाना- खरसावाँ, जिला- सरायकेला-खरसावाँ को गिरफ्तार किया गया है। तथा अवैध अफीम के एकड खेत को विनिष्ट किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता ==========

(1) सोयना मुण्डा, उम्र करीब 25 वर्ष, पिता- बुधु मुण्डा, पता- टोला-टुंगरी, ग्राम- लखनडीह, थाना-खरसावाँ, जिला सरायकेला-खरसावां। (2) रुईया मुण्डा, उम्र करीब 55 वर्ष, पिता- स्व० मानकी मुण्डा, पता टोला टुंगरी, ग्राम- लखनडीह, थाना- खरर जिला- सरायकेला-खरसावाँ।बरामद समान -

1. अफीम (पोस्ता) के फल पर चिरा लगाने में प्रयुक्त चार औजार बरामदगी एवं गिरफ्तारी में शामिल दल की विवरणीः- . अंचलाधिकारी कैप्टन सिंकू, खरसावाँ अंचल2. पु०अ०नि० गौरव कुमार, थाना प्रभारी खरसावाँ पु०अ०नि० रमन कुमार विश्वकर्मा, ओ०पी० प्रभारी आमदा 4. SSB G Coy बटालियन रायजामा

अफीम की खेती को ट्रैक्टर तथा ग्रास कटर मशीन चला कर विनिष्ट किया

रांची पुलिस के द्वारा तमाड़, बुंडू, राहे, नामकुम, तुपूदाना, खरसीदाग एवं दशामफाल थाना क्षेत्र में अवैध रूप से किए जा रहे अफीम की खेती को ट्रैक्टर तथा ग्रास कटर मशीन चला कर विनिष्ट किया गया। दिनांक 17.02.25 को पुलिस उप-महानिरीक्षक-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक रांची के निर्देशानुसार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रांची के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुंडू के नेतृत्व में तमाड़, बुंडू, राहे, तुपूदाना, नामकुम, खरसीदाग एवं दशामफाल थाना प्रभारी के द्वारा

1.	बुंडू	थाना	अंतर्गत	55	एकड़
2.	तमाड़	थाना	अंतर्गत	87	एकड़
3.	दशामफाल	थाना	अंतर्गत	15	एकड़
4.	राहे	थाना	अंतर्गत	08	एकड़
5.	नामकुम	थाना	अंतर्गत	44	एकड़
6.	खरसीदाग	थाना	अंतर्गत	02	एकड़
7.	तुपूदाना	थाना	अंतर्गत	18	एकड़

सुदूरवर्ती जंगली क्षेत्र में जंगल झाड़ में लगे लगभग 229 एकड़ अफीम को ट्रैक्टर, ग्रास कटर मशीन एवं पुलिस बल के द्वारा विनष्ट किया गया।

शहरपुरा मे एक विशाल मसाल जुलूस निकाला गया

सिंदरी, केंद्र सरकार एवं एफसीआई प्रबंधक द्वारा सिंदरी शहर को टुकड़े-टुकड़े मे बांटकर उजाड़ने के नीति के खिलाफ एवं आगामी 18 फरवरी 2025 को एफसीआई के मुख्य द्वार पर आयोजित महाधरना ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए संयुक्त संघर्ष मोर्चा की ओर से आज शहरपुरा मे एक विशाल मसाल जुलूस निकाला गया। मसाल जुलूस नेहरू मैदान से शुरू होकर बाजार का भ्रमण कर भुज चौक पर समाप्त हुआ। जुलूस में एफसीआई प्रबंधन मुर्दाबाद, केंद्र सरकार मुर्दाबाद, पीपी कोर्ट नोटिस बांटना बंद करो, सिंदरी उजाड़ने की साजिश बंद करो, महाधरना सफल करो, जो क्वार्टर सरकारी है वह क्वार्टर हमारी है, सिंदरी क्यों उजाड़ रहा भाजपा सरकार जवाब दो सिन्दरी की जनता एक हो के नारे लगाए जा रहे थे। मसाल जुलूस में सैकड़ो की संख्या में सिंदरी शहर एवं आसपास के गांव के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में सुरेश प्रसाद, अजय कुमार विकास कुमार ठाकुर रामु मंडल गौतम प्रसाद सूर्यकुमार सिंह अशोक महतो, परशुराम सिंह , सुरेश राउत, राजीव मुखर्जी विमल रवानी पूर्णेन्दु सिंह, मनोज घोष कृष्ण प्रसाद महतो दशरथ ठाकुर दिलीप मिश्रा शिबु राय सत्येंद्र सिंह.., संजीत यादव उपाध्यक्ष ओजिंदर यादव लव कुश यादव राम लायक राम राजू पांडे संजय राय परशुराम परशुराम शशि सिंह मोहम्मद कामरान मकसूद छोटे ठाकुर दीपेंद्र झा अशोक चंद्रा अशोक महतो शैलेश पंडित सुनील सिंह राहुल कुमार आनंद कुमार मंटी कुमार अश्विनी मंडल ललन ठाकुर नकुल वर्मा मदन प्रसाद मोहम्मद राही, सत्यदेव सिंह संतोष सिंह में कुमार दत्ता सिद्धार्थ सुरेंद्र पांडेअमर सिंह, बरींची माहतो,सागर मंडल, मदन प्रसाद,लगान हेंब्रम, रिक्की, अजय दास,बबलू माहतो,धुरूव दास,मधु दास, मंगल महतो,राजाराम रजक, नयन दत्ता,शुभम सिह,अर्जुन ठाकुर, गंगाधर कर्मकार ,संतोस कुमार माहतो,राजू बावरी,शुभो प्रसाद दास,लखन राम,शामिल थे!

बांग्लादेश में 5 महीने में 32 हिंदुओं का मर्डरः13 से रेप

बांग्लादेश में लंबे छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार का तख्तापलट हुआ। हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके साथ ही बांग्लादेश में हालात भी बिगड़ गए। पुलिस रातों-रात अंडरग्राउंड हो गई। लॉ एंड ऑर्डर ध्वस्त हो गया। बेकाबू भीड़ के निशाने पर सबसे ज्यादा अल्पसंख्यक, खासतौर पर हिंदू आए। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा में 32 हिंदुओं की हत्या की गई। ये घटनाएं 4 अगस्त 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच हुईं। रेप और महिलाओं से उत्पीड़न की 13 घटनाएं हुईं। मंदिरों पर हमले के 133 मामले सामने आए। काउंसिल के मुताबिक, तख्तापलट के बाद महज 15 दिन में अल्पसंख्यकों के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसा की कुल 2010 घटनाएं हुईं।11 जनवरी 2025 को बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर के दफ्तर से बताया गया कि 2010 में से 1769 केस कन्फर्म हैं। इनमें से 1415 मामलों में जांच की जा चुकी है। 354 मामलों का रिव्यू किया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार ने 10 दिसंबर तक अल्पसंख्यकों पर हुए हमले के मामलों में 70 लोगों को कस्टडी में लिया। वहीं, कुल 88 केस दर्ज किए हैं। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल के इस डेटा की डिटेल स्टडी की। साथ ही कुछ मामले विक्टिम फैमिली से बात करके क्रॉस चेक भी किए।

अल्पसंख्यकों पर हमले की रिपोर्ट दो हिस्सों में तैयार की गई ये रिपोर्ट बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल ने तैयार की है। इसे बनाने में काउंसिल के महासचिव मुनींद्र कुमार नाथ का अहम रोल रहा। वे कहते हैं, 'बांग्लादेश में तख्तापलट के दौरान 4 अगस्त से 8 अगस्त के बीच अल्पसंख्यकों पर जबरदस्त हमले हुए। हमने इनका डेटा दो हिस्सों में तैयार किया है।' 'पहला हिस्सा 4 अगस्त से लेकर 20 अगस्त 2024 के उन 15 दिनों का है, जब सांप्रदायिक घटनाएं चरम पर थीं। देश में पुलिस सिस्टम काम नहीं कर रहा था।' 'रिपोर्ट के दूसरे हिस्से में 20 अगस्त से 31 दिसंबर 2024 के बीच हुई घटनाएं हैं। ये रिपोर्ट तख्तापलट के बाद उस वक्त की है, जब नई अंतरिम सरकार सत्ता संभाल चुकी थी। उनके दौर में भी सांप्रदायिक हमलों का सिलसिला जारी रहा।' **4 अगस्त से 20 अगस्त के बीच हुई घटनाएं** तख्तापलट के 15 दिन के अंदर 9 मर्डर, 4 रेप, 953 घरों पर हमले

काउंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, तख्तापलट के शुरुआती 15 दिन में 2010 सिर्फ सांप्रदायिक घटनाएं हुईं। इसका 1705 अल्पसंख्यक परिवारों पर असर हुआ। 157 परिवारों के घर और दुकान दोनों पर जानबूझकर हमले किए गए। उनके साथ लूटपाट, आगजनी, मारपीट की घटनाएं हुईं। उन्हें घर-दुकान छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा।

बांग्लादेश के खुलना डिवीजन में सबसे ज्यादा सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं हुईं। प्रार्थना स्थल पर हमले की 69 घटनाएं हुईं। महज 15 दिन में करीब 50 हजार लोगों पर इन घटनाओं का असर हुआ। ये लोग डर के साए में रहने को मजबूर हुए।

15 दिनों में ही 9 हिंदुओं की हत्या बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद शुरू हुई हिंसा के दौरान कई हिंदुओं पर हमले हुए। ये मर्डर के आम मामले नहीं, बल्कि इनमें से ज्यादातर मजहबी दुश्मनी की वजह से की गई हत्याएं थीं। लोगों को बड़ी क्रूरता से मारा गया। किसी की भीड़ ने घर में घुसकर जान ले ली, तो किसी को घर से बाहर बुलाकर सरेआम मार दिया गया।

मेडिकल कालेजों में भरी जायेंगी 439 फैकल्टीः डॉ धन सिंह रावत

विपुल पाण्डेय, ब्यूरो देहरादून

देहरादून, 17 फरवरी 2025

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय मेडिकल कालेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 439 रिक्त पदों को भर जायेगा। इसके लिये विभाग की ओर से राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को अधियाचन भेज दिया गया है।

सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रदेश के राजकीय मेडिकल कालेजों में विभिन्न संकायों के रिक्त पदों को भरने का निर्णय लिया है। जिसके तहत सहायक प्राध्यापकों के 439 पदों को भरे जाने के लिये अधियाचन राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को भेज दिया गया है। चयन बोर्ड द्वारा शीघ्र ही रिक्त पदों से संबंधित विज्ञापन जारी कर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी। उन्होंने बताया कि 439रिक्त पदों में से सामान्य श्रेणी के 218, अनुसूचित जाति 112, अनुसूचित जनजाति 09, ओबीसी के 68 तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये 32 पद शामिल हैं। डॉ रावत ने बताया कि राज्य के मेडिकल कालेजों के दो दर्जन संकायों में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की जानी है जिनमें एनेस्थीसिया, एनाटॉमी, बायोकेमिस्ट्री, ब्लड बैंक, कम्युनिटी मेडिसिन, डेंटिस्ट्री, डर्मेटोलॉजि, इमरजेंसी मेडिसिन, फॉरेंसिक मेडिसिन, जनरल मेडिसिन,

जनरल सर्जरी, माइक्रोबायोलॉजी, गायनी, ऑर्थेल्मोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, ओटो राइनो लाइरिंगोलोजी, पैथोलॉजी, पीडियाट्रिक्स, फार्माकोलॉजी, फिजिकल मेडिसिन एवं रिहेबिलिटेशन, फिजियोलॉजी, साइकैट्रिस्ट, रेडियोडाइग्नोसिस, रेडियोथेरेपी व रेस्पिरेटरी के पद शामिल है। डॉ रावत ने बताया कि सरकार मेडिकल कालेजों में शतप्रतिशत फैकल्टी देने के लिए प्रतिबद्ध है इसी क्रम में बड़े पैमाने पर सहायक प्राध्यापकों की भर्ती करने जा रही है। इसके साथ ही आचार्यो एवं सह प्राध्यापकों के प्रोन्नति के पदों को भी शीघ्र भरने के निर्देश निदेशक चिकित्सा शिक्षा को दिये गए हैं।

बजट सत्र को लेकर आई0जी0 अभिसूचना, आई0जी0 गढ़वाल रेंज तथा एसएसपी देहरादून द्वारा ड्यूटी में नियुक्त पुलिस बल को किया ब्रीफ

विपुल पाण्डेय -ब्यूरो देहरादून

सत्र के दौरान त्रुटिरहित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

ड्यूटी के दौरान संयमित रहते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए किया निर्देशित

बजट सत्र के दौरान रुट डाइवर्ट के कारण परीक्षार्थियों को न हो परेशानी, इस बात को सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

विधानसभा सत्र ब्रीफिंग

दिनांक 18/02/2025 से शुरू हो रहे विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सुरक्षा में नियुक्त किये गये पुलिस बल की आज दिनांक 17/02/2025 को उच्चाधिकारियों द्वारा पुलिस लाईन देहरादून में ब्रीफिंग की गयी। ब्रीफिंग के दौरान उपस्थित पुलिस बल को सम्बोधित करते हुये पुलिस महानिरीक्षक (अभिसूचना), पुलिस महानिरीक्षक (गढवाल परिक्षेत्र) तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा बताया गया कि सभी अधिकारी/कर्मचारीगण निर्धारित समय पर अपने-अपने ड्यूटी स्थल पर पहुँच कर ड्यूटी के सम्बन्ध में अच्छी तरह से जानकारी कर लें। ड्यूटी के दौरान अपना आचरण संयमित रखें तथा किसी भी प्रकार की अनावश्यक टिप्पणी न करें, किसी भी प्रकार का विवाद होने पर तत्काल उसकी जानकारी अपने प्रभारी अधिकारी को दें।

विधानसभा गेट ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारी/कर्मचारीगण आने वाले व्यक्तियों की अच्छी तरह से चौकिंग कर लें, किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की ज्वलनशील/संदिग्ध वस्तु अन्दर ले जाने की अनुमति कदापि न दी जाए। केवल अधिकृत व्यक्तियों/पासधारकों व उनके वाहनों को ही अन्दर जाने की अनुमति दी जाए।

इसके अतिरिक्त विधान सभा

के बाहर रुट ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारी/कर्मचारीगण इस बात को सुनिश्चित करें कि विधान सभा के बाहर विधानसभा तिराहे से डिफेंस कालोनी बैरियर तक रोड पर कोई भी वाहन खड़ा न हो। बैरियर ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारी/कर्मचारीगण किसी जूलूस/धरने प्रदर्शन के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी अराजक तत्व बैरियर पार कर विधान सभा के निकट न पहुचने पायें।

ब्रीफिंग के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने अधिनस्थ नियुक्त किये गये पुलिस बल से सामन्जस्य स्थापित कर उन्हे ड्यूटी के सम्बन्ध में भली-भांति ब्रीफ कर लें तथा किसी भी घटना के घटित होने पर उसकी तत्काल वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी करना सुनिश्चित करे। ड्यूटी के दौरान अपना व्यवहार संयमित रखते हुए सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का निवर्हन करें। व्यवहार को लेकर किसी भी प्रकार कि शिकायत को नजर अन्दाज नहीं किया जायेगा।

वर्तमान में प्रचलित बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि विधानसभा सत्र के दौरान इस बात को सुनिश्चित किया जाए कि रूट डायवर्ट अथवा वीआईपी मूवमेंट के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े, साथ ही परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए अलग से हेल्पलाइन नंबर जारी करने के निर्देश दिए गए, जिससे उनको होने वाली परेशानियों का त्वरित संज्ञान लेकर उसका समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

ब्रीफिंग में श्री करन सिंह नग्न्याल, पुलिस महानिरीक्षक अभिसूचना, श्री राजीव स्वरूप पुलिस महानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र, श्री अजय सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून व ड्यूटी पर नियुक्त अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विधानसभा सत्र हेतु नियुक्त किए गए पुलिस बल का पदवार विवरण निम्नवत है :- जनपद देहरादून से नियुक्त पुलिस बल का विवरणः- 01: अपर पुलिस अधीक्षकः 02 02: क्षेत्राधिकारीः 06 थानो से नियुक्त पुलिस बल का विवरण 01: उप निरीक्षकः 65 02: म0उ0निरीक्षकः 20 03: अ0उ0निरीक्षकः 50 04: हे0कां0: 26 05: कां0 : 215 06: म0कां0: 80 पुलिस लाइन से नियुक्त पुलिस बल का विवरण :- 01: अ0उ0नि0: 06 02: हे0कां0: 189 03: हे0कां0 सशस्त्र पुलिसः 40 04: कां0: 50 05: क्यू0आर0टी0 टीमः 01 06: टीयर गैस/रबर बुलेट टीमः 04 07: सशस्त्र पुलिस गार्दः 06

पुलिस कार्यालय से नियुक्त पुलिस बल का विवरणः- 01: निरीक्षकः 11 02: उ0नि0: 10 03: म0उ0नि0: 15 04: हे0कां0: 15 05: कां0: 30 06: म0कां0: 30

बाहरी जनपदों से नियुक्त पुलिस बल का विवरणः- 01: अपर पुलिस अधीक्षकः 03 02: क्षेत्राधिकारीः 07 03: निरीक्षकः 03 04: उ0नि0: 20 05: म0उ0नि0: 03 06: अ0उ0नि0: 22 07: म0कां0 12 पीएसी बलः 02 कम्पनी, 01 प्लाटून, 01 सैक्शन

ड्यूटी में नियुक्त कुल पुलिस बल का विवरणः- 01: अपर पुलिस अधीक्षकः 05 02: क्षेत्राधिकारीः 13 03: निरीक्षकः 14 04: उ0नि0: 95 05: म0उ0नि0: 38 06: अ0उ0नि0: 78 07: हे0कां0: 260 08: कां0: 295 09: म0कां0: 128 10: पी0ए0सी0: 02 कम्पनी, 01 प्लाटून, 01 सैक्शन 11: टीयर गैस/रबर बुलेट टीमः 04 12: क्यू0आर0टी0: 01

विधानसभा सत्र के दौरान रुट/डाइवर्ट प्लॉन

देहरादून -विपुल पाण्डेय

बोर्ड परीक्षाओं के दृष्टिगत परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु अलग कंट्रोल रूम न0 किया जारी

विधासभा सत्र के दौरान यातायात / कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु निम्न बैरियर स्थलों आने वाले जुलूस को रोका जायेगा -

1. प्रगति विहार बैरियर
2. शास्त्रीनगर बैरियर
3. बाईपास बैरियर
4. डिफेंस कॉलोनी बैरियर
5. विधानसभा तिराहा

बैरियर सत्र के दौरान सभी भारी वाहनों को कारगी चौक व डोईवाला से दूधली रोड की ओर डायवर्ट किया जायेगा।

रिस्पना क्षेत्र में यातायात का दबाव अधिक होने पर भारी वाहनों को आंशिक रुप से लालतप्पड़, हर्रावाला व नयागांव पर रोका जायेगा।

देहरादून से हरिद्वार / ऋषिकेश / टिहरी / चमोली जाने वाले वाहन नेहरू कॉलोनी / फव्वारा चौक से पुलिया नम्बर 06 की ओर डायवर्ट किये जायेंगे।

धर्मपुर चौक से आई0एस0बी0टी0 की ओर जाने वाला यातायात माता मन्दिर रोड होते हुए पुरानी बाईपास चौकी से आई0एस0बी0टी0 की ओर भेजा जायेगा।

मोहकमपुर की ओर से मसूरी जाने वाले वाहन जोगीवाला से रिंग रोड से लाडपुर से सहस्त्रधारा क्रासिंग से आईटी पार्क से मसूरी मार्ग की ओर भेजा जायेगा।

मोहकमपुर की ओर से देहरादून शहर की ओर आने वाले वाहनो को विधानसभा तिराहा,रिस्पना,पुरानी बाई चौकी होते हुए धर्मपुर - ईसी रोड की ओर भेजा जायेगा।

प्रत्येक सम्भावित जुलूस (अनुमति प्राप्त) केवल हिम पैलेस होटल से प्रस्थान करेगा तथा इनके वाहन रेसकोर्स गुरुनानक ग्राउण्ड में पार्क किये जायेंगे।

जुलूस के हिम पैलेस होटल से प्रगति विहार बैरियर की ओर प्रस्थान करने पर रिस्पना से देहरादून शहर की ओर आने वाले वाहनों को हरिद्वार बाईपास से पुरानी बाईपास चौकी की ओर भेजा जायेगा।

यातायात दबाव होने की स्थिति में डोईवाला से देहरादून की ओर आने वाली सिटी बस को कैलाश अस्पताल से यू-टर्न लेकर वापस डोईवाला को ओर भेजी जायेंगी।

उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार अन्य मार्गों से भी यातायात को डायवर्ट किया जायेगा तथा डायवर्ट किये गये यातायात को भी सामान्य किया जा सकता है।

शहर क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित स्कूलों में अध्यनरत परीक्षार्थियों को किसी भी दशा में नहीं रोका जायेगा।

शहर क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित स्कूलों में अध्यनरत छात्रों के अभिभावकों से अपील है कि अपने बच्चों को परीक्षा हेतु समय से रवाना करना सुनिश्चित करें साथ ही यथा सम्भव लिंक मार्गों का प्रयोग करनें हेतु अवगत कराने का कष्ट करें।

जानिए ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री जी से आज 18/02/2025 का राशिफल

मेष कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। **वृष** कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। **मिथुन** किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। **कर्क** प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। **सिंह** बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार-व्यवसाय की गति बढ़ेगी। चिंता रह सकती है। थकान रहेगी। प्रमाद न करें। **कन्या** शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी। **तुला** शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें। **वृश्चिक** भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार की चिंता बनी रहेगी। **धनु** प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है। **मकर** धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। **कुंभ** कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। नकारात्मकता हावी रहेगी। शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। **मीन** कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है।

ज्योतिष गुरू पंडित अतुल शास्त्री

महाकुंभ दिखाने काफी नीचे उड़ रहे विमानः40 की जगह 10 हजार फीट पर लगा रहे चक्कर

महाकुंभ के ऊपर से हर घंटे 8 से ज्यादा विमान उड़ रहे हैं। ये इतने नीचे से गुजर रहे हैं कि श्रद्धालु सोच में पड़ जाते हैं। दरअसल, एयरलाइंस कंपनियों ने अपने यात्रियों को हवाई दर्शन कराने के लिए ये खास सुविधा दी है। प्रयागराज के ऊपर से गुजरने वाले विमानों की ऊंचाई घटाई गई है, ताकि यात्री महाकुंभ का एरियल व्यू देख सकें। विमान महाकुंभ मेले के ऊपर से गुजरते समय 10 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे हैं। आमतौर पर यात्री विमान 30 से 40 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ते हैं। यही स्टैंडर्ड है। हर रोज 200 से ज्यादा विमान महाकुंभ के ऊपर से होकर जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें देखा जा सकता है कि फ्लाइट महाकुंभ के ऊपर से गुजर रही हैं। इस दौरान यात्री अपनी सीटों से खड़े हो गए और खिड़कियों के पास जाकर महाकुंभ का एरियल व्यू देख रहे हैं। कई यात्री मोबाइल से वीडियो भी बना रहे हैं। कुछ यात्रियों ने यह भी दावा किया कि जब फ्लाइट महाकुंभ के ऊपर से गुजर रही थी, तब बाकायदा अनाउंसमेंट करके इस बारे में बताया गया। इंडिगो और स्पाइसजेट की सबसे ज्यादा फ्लाइट्स महाकुंभ के चक्कर लगाकर निकल रही हैं। ब्लॉगर गौरव तनेजा ने एक फ्लाइट से महाकुंभ का एरियल व्यू देखते हुए X पर लिखा- केवल सनातन है, जो स्वर्ग और नरक से भी आगे की बात करता है। मोक्ष और भगवत प्राप्ति। विमान से ली गई तस्वीर। इसमें मेला क्षेत्र रोशनी से जगमग दिखाई दे रहा है। विमान से ली गई तस्वीर। इसमें मेला क्षेत्र रोशनी से जगमग दिखाई दे रहा है। **सेलिब्रिटी भी चार्टर्ड प्लेन से देख रहे एरियल व्यू** नेता, सेलिब्रिटी, विदेशी सहित अन्य VIP लोग चार्टर्ड प्लेन से महाकुंभ पहुंच रहे हैं। पिछले दिनों उद्योगपति मुकेश अंबानी अपने निजी विमान से परिवार के साथ महाकुंभ आए थे। इस विमान से पूरे महाकुंभ के दो हवाई चक्कर लगाकर उन्होंने एरियल व्यू देखा था।

बमरौली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने उनके विमान को बाकायदा इसकी परमिशन दी थी। इसके अलावा 77 देशों से आए डेलिगेट्स ने भी महाकुंभ का एरियल व्यू देखा।

रिकॉर्ड चार्टर प्लेन उतरे, 11 फरवरी को 157 आए प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट पर अब तक करीब 700 चार्टर प्लेन उतर चुके हैं, जबकि कुल विमानों की संख्या इससे काफी ज्यादा है। 11 फरवरी को यहां दिनभर में 157 चार्टर प्लेन उतरने का रिकॉर्ड बना। इससे पहले 14 जनवरी को 43 विमान, 28 को 62 विमान, 31 को 62 विमान, 1 और 4 फरवरी को 87 विमान, 7 को 111, 8 को 138 विमान उतरे। 13 फरवरी को 151 विमान बमरौली एयरपोर्ट पर उतरे।

11 फरवरी को उद्योगपति मुकेश अंबानी अपने निजी प्लेन से परिवार के साथ महाकुंभ आए थे। प्लेन ने महाकुंभ मेले के दो चक्कर लगाए थे। **1250 रुपए में पवन हंस की हवाई यात्रा, 2 हजार वेटिंग** पवन हंस कंपनी सबसे सस्ती 1250 रुपए में हवाई सेवा मुहैया करा रही है। अरैल में DPS पब्लिक स्कूल के पीछे मैदान से ये हेलिकॉप्टर उड़ता है। पूरा मेला क्षेत्र घुमाकर 7-8 मिनट में वापस आ जाता है।

शुरुआत में ये बुकिंग सिर्फ ऑनलाइन थी। फिर 7 फरवरी से ऑफलाइन भी हो गई। पवन हंस के दो हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को पूरे महाकुंभ के हवाई दर्शन करा रहे हैं। सबसे सस्ता हवाई टिकट होने की वजह से श्रद्धालु इसका भरपूर फायदा भी उठा रहे हैं। स्थिति ये है कि हेलिकॉप्टर टिकट की बुकिंग वेटिंग संख्या दो हजार तक पहुंच गई है।

आईएएस बंशीधर तिवारी को डीजी शिक्षा की जिम्मेदारी,अजय नौडियाल को अपर शिक्षा निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा का प्रभार

विपुल पाण्डेय-देहरादून ब्यूरो

देहरादून। डीजी विद्यालयी शिक्षा झरना कमठान के 17 फरवरी से 28 मार्च तक मसूरी की LBS अकादमी में Induction Training Programme में हिस्सा लेने की वजह से आईएएस बंशीधर तिवारी को डीजी विद्यालयी शिक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी है।

उधर, अपर शिक्षा निदेशक, सीमैट, अजय नौडियाल को बेसिक शिक्षा के निदेशक की जिम्मेदारी दी गयी है। देखें आदेश

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में दिनांक 17 फरवरी से 28 मार्च, 2025 के मध्य आयोजित 126th Induction Training Programme (ITP) में प्रतिभाग करने हेतु अधिकारियों के प्रतिस्थानी अधिकारी नामित करने सम्बन्धी कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के कार्यालय आदेश संख्या-1/271022/2025 दिनांक 28 जनवरी, 2025 में आंशिक संशोधन करते हुए उक्त कार्यालय-ज्ञाप में दी गयी सूची के क्र०सं०-2 पर अंकित अधिकारी सुश्री झरना कमठान, IAS-2016 के प्रतिस्थानी के तौर पर नामित श्रीमती रंजना राजगुरु (IAS-2010) के स्थान पर श्री बंशीधर तिवारी, IAS-2016, अपर सचिव, सूचना; महानिदेशक, सूचना; उपाध्यक्ष, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण को नामित किया जाता है।

2-कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/271022/2025 दिनांक 28 जनवरी, 2025 को उक्त सीमा तक संशोधित समझा जाय। देखें आदेश

अजय नौडियाल को निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा का प्रभार तत्काल प्रभाव से श्री अजय कुमार

नौडियाल, अपर शिक्षा निदेशक, सीमैट, उत्तराखण्ड, देहरादून (वेतनमान वेतन लेवल-13 'क') को जनहित में निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड का प्रभार / दायित्व, अग्रिम आदशों तक अथवा नियमित पदोन्नति तक (जो भी पहले हो) के लिये प्रदान किया जाता है।

2-श्री अजय कुमार नौडियाल को निर्देशित किया जाता है कि वे निदेशक, (प्रभारी) प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड के पद का कार्यभार ग्रहण करते हुए कार्यभार ग्रहण प्रमाणक शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

3-उपरोक्त प्रभार हेतु श्री अजय कुमार नौडियाल को कोई अतिरिक्त वेतन/भत्ते आदि देय नहीं होंगे।

पहले महिला अफसर से बनाया संबंध,फिर शादी से मुकरा IPS

पटना IPS पुष्कर आनंद पर रेप का आरोप लगाने वाली बिहार पुलिस की तत्कालीन महिला DSP की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। SC के जस्टिस के. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एस.वी.एन भट्टी की बेंच ने इस मामले में बिहार सरकार और आरोपी IPS पुष्कर आनंद को नोटिस भेजा है। अब अगली सुनवाई 24 मार्च को होगी। पीड़िता के वकील अश्विनी कुमार दुबे से बातचीत की। वकील ने बताया, 'कोर्ट में इस मामले को लेकर 10 मिनट तक बहस चली। SC ने पटना हाईकोर्ट के ऑर्डर पर नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर जांच के आदेश दिए हैं।'

दरअसल, 2014 में महिला अधिकारी ने IPS पुष्कर आनंद पर शादी का झूठा वादा कर रेप करने का आरोप लगाया था। इसको लेकर उन्होंने कैमूर में महिला पुलिस थाने में IPS और उनके माता-पिता के

खिलाफ FIR दर्ज कराई, जिसे नवंबर 2024 में पटना हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। इसके बाद महिला अधिकारी इसी साल 20 जनवरी को पटना हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची थीं।

2013 में कैमूर के तत्कालीन SP पुष्कर आनंद और महिला DSP की मुलाकात हुई। महिला DSP भभुआ में पोस्टेड थीं।

फतेहपुर में प्रधान पुत्र की गोली मारकर हत्या, प्रेम प्रसंग में 5 लोगों ने घेरकर उतारा मौत के घाट

फतेहपुरः उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां सोमवार की देर शाम प्रधान के बेटे को घेर कर गोली मारी गई। गोली सिर में लगने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घटना प्रेम-प्रसंग के चलते हुई है। इस मामले में पुलिस दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है। इस मामले में सामने आया है कि एक शादीशुदा महिला से प्रेम संबंध के कारण वारदात को अंजाम दिया गया। जानकारी के मुताबिक, खखरेरू थाना क्षेत्र के भीमपुर (मंझनपुर) गांव निवासी सुरेश सोनकर की पत्नी सावित्री देवी मौजूदा ग्राम प्रधान हैं। महिला प्रधान के 5 बेटे और 3 बेटियों में 30 वर्षीय मतेश सोनकर दूसरे नंबर का था। बताया जा रहा है कि मतेश का एक शादीशुदा महिला से प्रेम-प्रसंग चल रहा था।

35000 फुट की ऊंचाई पर हवाई जहाज में कैसे काम करता है वाई-फाई? जानें कहां से और कैसे आते हैं

यात्रियों को अब हवाई सफर के दौरान एयर इंडिया की फ्लाइट में वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। हालांकि अभी इसे कुछ ही फ्लाइट में शुरू किया गया। फ्लाइट में वाई-फाई की सुविधा दो तरह से मिलती है। वहीं इसमें विमान में लगा एंटीना भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जानें, प्लेन में कैसे काम करता है वाई-फाईः

नई दिल्लीः एयर इंडिया ने हाल ही घोषणा की है कि वह अपने कुछ विमानों में उड़ान के दौरान यात्रियों को वाई-फाई की सुविधा देगी। यह सुविधा डोमेस्टिक और इंटरनेशनल, दोनों तरह की फ्लाइट में मिलेगी। हालांकि यह पहली बार नहीं होगा कि कोई एयरलाइंस 35 हजार फुट की ऊंचाई पर यात्रियों को वाई-फाई की सुविधा देगी। दुनियाभर की कई एयरलाइंस यह सुविधा पहले से दे रही हैं। सवाल यह है कि जब एयरलाइंस कंपनियां टेक ऑफ से पहले फोन को स्विच ऑफ या फ्लाइट मोड पर एक्टिव करवा लेती हैं तो वाई-फाई की सुविधा क्यों दे रही हैं। वहीं एक सवाल यह भी है कि जब हवाई जहाज 35000 या 40000 फुट की ऊंचाई पर उड़ रहा होता है तो इतनी ऊंचाई पर वाई-फाई कैसे काम करता है। इसके लिए सिग्नल कहां से और कैसे आते हैं? **हवाई जहाज में इस्तेमाल होने वाला इंटरनेट दो तरह की टेक्नॉलजी पर आधारित होता है।**

1. ग्राउंड सिस्टमः इसमें फ्लाइट में लगा एक एंटीना जमीन पर मौजूद सबसे नजदीकी टावर से सिग्नल पकड़ता है। ये सिग्नल तब तक रहते हैं जब तक कि विमान जमीन पर मौजूद टावरों के बिना किसी क्षेत्र से न गुजरे। इस टेक्नॉलजी में जमीन पर लगे टावर सिग्नल को ऊपर की ओर प्रोजेक्ट करते हैं। इसमें ऑन-बोर्ड एंटीना को हवाई जहाज के नीचे लगाया जाता है। 2. सैटेलाइट सिस्टमः जैसा ही नाम से पता चलता है, इस टेक्नॉलजी में वाई-फाई सिग्नल सैटेलाइट के माध्यम से आते हैं।

24000000 किलो सोना है भारतीय महिलाओं के पास, अमेरिका और चीन के पास भी नहीं इतना गोल्ड

भारतीय महिलाओं ने सोने के भंडार में अमेरिका और चीन समेत कई देशों को पीछे छोड़ दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय महिलाओं के पास 24 हजार टन सोना है। इतना सोना दुनिया के कई देशों के पास भी नहीं है। गोल्ड रिजर्व करने वाले टॉप 6 देशों के पास कुल मिलाकर भी इतना सोना नहीं है।

नई दिल्लीः *भारत में सोना का हमेशा से पारंपरिक और सांस्कृतिक महत्व रहा है। चाहे धनतेरस या अक्षय तृतीया, सोना खरीदना ऐसे त्योहारों पर शुभ माना जाता है। वहीं शादी और दूसरे उत्सव में भी सोना खरीदा जाता है। महिलाएं सोने की ज्वैलरी पहनना ज्यादा पसंद करती हैं।*

वैसे सोना इस्तेमाल करने में ही नहीं, खरीदने में भी भारतीय महिलाओं का कोई जवाब नहीं है। वहीं दूसरी ओर भारत समेत कई देश अपने-अपने यहां सोने का भंडार भी करते हैं। यहां बता दें कि सोने का भंडार और सोने की खपत दो अलग-अलग चीजें हैं। सोने का भंडार केंद्रीय बैंकों की ओर से किया जाता है। ***कितना सोना है भारतीय महिलाओं के पास****? वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (WGC) की रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय महिलाओं के पास करीब 24 हजार टन (2.40 करोड़ किलो) सोना है। यह दुनिया के कुल सोने के भंडार के 11 फीसदी के बराबर है। गोल्ड रिजर्व के मामले में भारतीय महिलाओं ने चीन, अमेरिका, जर्मनी और इटली जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है।*

किसके पास कितना गोल्ड*? गोल्ड रिजर्व के मामले में अमेरिका सबसे आगे है। अमेरिका के पास 8133 टन सोना है। वहीं चीन के पास 2264 टन से सोना है। वहीं भारत के पास सोने का भंडार 850 टन से ज्यादा है। जानें किस देश के पास कितना सोना है:* ***6 देशों को छोड़ दिया पीछे*** *भारतीय महिलाओं ने सोना रखने के मामले में दुनिया के टॉप 6 देशों को पीछे छोड़ दिया है। यही नहीं, अमेरिका और चीन समेत इन 6 देशों के पास कुल जितना सोना है, उससे ज्यादा सोना भारतीय महिलाओं के पास है। यह सोना महिलाओं के पास गहनों के रूप में है। भारतीय महिलाओं के पास जितना सोना है, उसमें सबसे ज्यादा हिस्सेदारी दक्षिणी राज्यों में रहने वाली महिलाओं की है। भारत की जितनी महिलाओं के पास कुल सोना है, उसका 40 फीसदी सोना दक्षिण भारत की महिलाओं के पास है। अकेले तमिलनाडु का हिस्सा करीब 28 फीसदी है।*

डेड नहीं है यह एसेट *महिलाओं के पास जो सोना है, वह उनके घर की तिजोरी या बैंक के लॉकर में बंद है। काफी जानकार इसे डेड एसेट मानते हैं क्योंकि सोने में इस प्रकार से निवेश पर न तो कोई ब्याज मिलता है और न ही कोई डिविडेंड। वहीं दूसरी ओर काफी जानकार इसे डेड नहीं, इम्पोर्टेंट एसेट बताते हैं। कई बार संकट के समय घर में रखा यह सोना काफी काम आता है।* ***क्या है सोने की कीमत****? सोने का भाव अभी 77 हजार रुपये से ज्यादा है। एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोने की कीमत 77323 रुपये है।*

मुंबई सोने-चांदी के दाम में शुक्रवार (3 जनवरी) को तेजी देखने को मिली

मुंबई सोने-चांदी के दाम में शुक्रवार (3 जनवरी) को तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 425 रुपए बढ़कर 77,504 रुपए पर बंद हुआ। कल यानी गुरुवार को सोने की कीमत 77,079 रुपए प्रति दस ग्राम थी।

वहीं, चांदी का भाव आज 954 रुपए बढ़कर 88,121 रुपए पर पहुंच गया। कल चांदी 87,167 रुपए प्रति किलोग्राम थी। पिछले साल 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

2024 में सोना ने 20% और चांदी ने 17% का रिटर्न दिया बीते साल यानी 1 जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 के बीच सोने का भाव 20.22% बढ़ा। 1 जनवरी 2024 को 24 कैरेट 10 ग्राम गोल्ड की कीमत 63,352 रुपए थी, जो सालभर में 12,810 रुपए बढ़कर 76,162 रुपए पर पहुंच गई।

वहीं, 1 जनवरी को एक किलो चांदी 73,395 रुपए में बिक रही थी, जिसकी कीमत 12,622 रुपए बढ़कर साल के आखिरी दिन 86,017 रुपए पर पहुंच गई। एक साल में चांदी का भाव 17.19% बढ़ा।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,350 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,200 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 79,200 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,200 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 79,250 रुपए है।

ब्याज दरों में कटौती से सोने पर दबाव करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार, हाल ही में अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट (0.25%) की कटौती की है। इस कटौती से बीते कुछ दिनों से सोने-चांदी पर दबाव देखने को मिल रहा है।

हालांकि, आने वाले दिनों में सोने-चांदी में फिर से बढ़त देखने को मिल सकती है। अगले एक साल यानी 2025 में सोना 82 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 95 हजार रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है। सोना खरीदते समय हॉलमार्क से जांचे शुद्धता सोना खरीदना काफी महंगा सौदा है ऐसे में खरीदते वक्त क्वॉलिटी से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। इसकी जांच के लिए हॉलमार्क देखना जरूरी है। हॉलमार्क सरकारी गारंटी जिसका निर्धारण ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) करती है।

HDFC की मार्केट वैल्यू 37,025 करोड़ कम हुईः टॉप-10 कंपनियों में से 4 की वैल्यू 96,606 करोड़ गिरी

मुंबई मार्केट वैल्यूएशन के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 4 की वैल्यूएशन पिछले हफ्ते के कारोबार में 96,606 करोड़ रुपए कम हुई है। इस दौरान देश का सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर बैंक HDFC और ICICI बैंक की टॉप लूजर रहे। HDFC बैंक का मार्केट कैप 37,025 करोड़ रुपए कम होकर 13.38 लाख करोड़ रुपए पर आ गई है। वहीं, ICICI बैंक की वैल्यू 29,325 करोड़ रुपए कम होकर 8.93 लाख करोड़ रुपए पर आ गई है। **LIC की मार्केट वैल्यू 13,282.49 करोड़ रुपए बढ़ी** वहीं, जबकि बीते हफ्ते के कारोबार के बाद लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया यानी LIC की मार्केट वैल्यू 13,282 करोड़ रुपए बढ़कर 5.75 लाख करोड़ रुपए रपर पहुंच गई है। इसके अलावा, इंफोसिस, ITC, एयरटेल की वैल्यूएशन में भी बढ़ोतरी हुई है। **बीते हफ्ते शेयर बाजार में रही थी तेजी** हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 3 जनवरी को सेंसेक्स 720 अंक की गिरावट के साथ 79,223 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 183 अंक की गिरावट रही, ये 24,004 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 32 में गिरावट और 18 में तेजी रही। पिछले हफ्ते के कारोबार में सेंसेक्स 524 अंक चढ़ा। NSE सेक्टोरल इंडेक्स में IT सेक्टर सबसे ज्यादा 1.41% की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं, बैंकिंग, फार्मा, हेल्थकेयर और फाइनेंशियल सर्विसेज 1% से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 1.26% और मीडिया सेक्टर में 1.70% की तेजी रही। **मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है**? मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटल नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है, ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां। **मार्केट कैप कैसे काम आता है**? किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है।

दिल्ली में 25% डिस्काउंट पर मिल रहा मकान, DDA की सस्ता घर स्कीम में लगेंगे स्पेशल कैंप, किसे मिलेगा फायदा?

अगर आप दिल्ली में सस्ता घर खरीदने का सपना देख रहे हैं तो डीडीए की स्कीम में आवेदन कर सकते हैं। डीडीए की सस्ता घर स्कीम में लोगों का सहायता के लिए कैंप लगाए जाएंगे। इस स्कीम में कई वर्ग के लोगों को 25 फीसदी डिस्काउंट पर मकान मिलेंगे।

नई दिल्लीः दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) के सस्ता घर हाउसिंग स्कीम के लाभार्थियों के लिए स्पेशल कैंप लगाने की तैयारी हो रही है। डीडीए की पिछली बोर्ड मीटिंग में एलजी वी. के. सक्सेना ने इस स्कीम को मंजूरी दी थी। अब एलजी ऑफिस की तरफ से चीफ सेक्रेटरी को लेटर लिखा गया है कि लाभार्थियों की सुविधा के लिए स्पेशल कैंप लगाएं। इस स्कीम के तहत लोग 25 प्रतिशत डिस्काउंट पर घर ले सकेंगे।

स्कीम के तहत कंस्ट्रक्शन वर्कर, ऑटो-टैक्सी ड्राइवर, महिलाएं, वीर नारी, एक्स सर्विसमैन, दिव्यांग, गैलेंट्री और अर्जुन अवॉर्डी और एससी-एसटी को लाभ मिलेगा। यह स्पेशल कैंप दिल्ली बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वेल्फेयर बोर्ड के साथ लगाए जाएंगे। यह कैंप डीएमआरसी, एनसीआरटीसी, सीपीडब्ल्यूडी, एनएचएआई और अन्य लोकेशन पर लगेंगे, जिससे यहां काम करने वाले श्रमिक इस स्कीम का लाभ ले सकें। साथ ही बोर्ड की अन्य स्कीमों का लाभ भी ले सकें। स्कीम के तहत वर्कर, लेबर, झुग्गी में रहने वाले और किराये पर रहने वालों को प्राथमिकता दी जाएगी।

लोन की सुविधा भी मिलेगी राज्य सैनिक बोर्ड भी स्पेशल आउटरीच प्रोग्राम चलाएगा। इससे वीर नारी, एक्स सर्विसमैन और गैलेंट्री और अर्जुन अवॉर्डी के लिए स्कीम का लाभ लेना आसान हो जाएगा। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट इस तरह के स्पेशल कैंप ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों के लिए बुराड़ी ट्रांसपोर्ट कार्यालय में लगाएगा। वहीं, दिल्ली शेड्यूल कास्ट फाइनेंस एंड डिवेलपमेंट कॉर्पोरेशन एससी-एसटी श्रेणी के आवेदकों को लोन सुविधा दिलाने में मदद करेगा। **हर 15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट** डब्ल्यूसीडी, सोशल वेल्फेयर डिपार्टमेंट और एससी-एसटी डिपार्टमेंट कैंप लगाएगा। हर कैंप साइट में डीडीए के संबंधित अधिकारी मौजूद रहेंगे। इन अधिकारियों के पास स्कीम की पूरी जानकारी होगी। हर कैंप में संबंधित विभागों के एक नोडल अधिकारी भी मौजूद होंगे। डिपार्टमेंट्स को हर 15 दिनों में इन कैंप्स की रिपोर्ट चीफ सेक्रेटरी को देने को कहा गया है। **स्पेशल कैंप से क्या फायदा**? सस्ता घर स्कीम के तहत लाभार्थियों के लिए स्पेशल कैंप लगाना इसलिए जरूरी है, क्योंकि इससे उनके लिए आवेदन करना आसान हो जाएगा। जिस तबके के लिए ये स्कीम है, उनके पास अपनी रोजी-रोटी कमाने के अलावा इतना वक्त नहीं होता कि वे सरकारी दपतरों में जाकर फॉर्म भरें। इसके अलावा ये भी आशंका होती है कि ऐसी स्थिति का कुछ दलालनुमा लोग भी फायदा उठाने लगते हैं। इससे इन लोगों को वित्तीय नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में अगर कैंप लगाए जाते हैं तो ये लोग घर के समीप ही जाकर अपना आवेदन भी कर सकेंगे और उन्हें आवेदन के वक्त दिए जाने वाले दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी मिल सकेगी।

कभी करते थे 3500 रुपये की नौकरी, अब फूलों सा महक रहा कारोबार, सालाना कमाई 50000000 से ज्यादा

गेंदे के फूल की खेती करके क्या करोड़ों रुपये कमाए जा सकते हैं? यह सच कर दिखाया है पश्चिम बंगाल के 33 वर्षीय अरूप कुमार घोष ने। उन्होंने 17 साल की उम्र में इस कारोबार में कदम रख दिया था। शुरुआत में काफी परेशानियां आईं, लेकिन उन्होंने इससे हार नहीं मानी।

नई दिल्लीः पश्चिम बंगाल के कोलाघाट के 33 वर्षीय अरूप कुमार घोष एक कॉलेज ड्रॉपआउट युवा हैं। लेकिन वह अपनी लगन और मेहनत के दम पर आज उस मुकाम पर हैं, जहां पहुंचने का सपना लगभग हर युवा देखता है। अरूप कुमार पर एक मोटिवेशनल शायरी की दो लाइन बिल्कुल सटीक बैठती हैं। सीढ़ियां उन्हें मुबारक, जिन्हें छत तक जाना है।

जिनकी मंजिल है आसमां, उन्हें रास्ता खुद बनाना है।। अरूप कुमार ने न केवल अपना रास्ता स्वयं बनाया, बल्कि मंजिल तक भी खुद ही पहुंचे। कभी 3500 रुपये की नौकरी करने वाले अरूप आज फूलों का कारोबार कर रहे हैं। वह गेंदा के फूल और उसके बीजों को बेचते हैं। उनके कारोबार का सालाना टर्नओवर 5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। लेकिन यहां तक का सफर अरूप के लिए आसान नहीं रहा। **फूलों में बचपन से रुचि** अरूप की रुचि फूलों में बचपन से थी। कोलाघाट ऐसी जगह है जो पूरे भारत में फूलों की सप्लाई करता है। परिवार धान की खेती करता था, जिससे कमाई सीमित थी। अरूप को फूलों के कारोबार में अच्छी संभावनाएं नजर आ रही थीं। साथ इसमें इनोवेशन के भी मौके थे। ऐसे में अरूप ने कॉलेज छोड़ फूलों के कारोबार में उतरने का फैसला लिया। जब वह 17 साल के थे, तब उन्होंने फूल विक्रेताओं के साथ काम करना शुरू कर दिया। **3500 रुपये की नौकरी से शुरुआत** इस कारोबार को और अंदर से जानने के लिए वह हैदराबाद के गुडीमलकापुर फूल बाजार पहुंचे। यहां इसलिए आए क्योंकि यहां के कारोबारी कोलाघाट से फूल खरीदते थे। यहां उन्होंने एक दुकान पर 3500 रुपये महीने की नौकरी की। अरूप बताते हैं कि यहां सैलरी जरूर कम थी, लेकिन फूलों के कारोबार को सीखने का अच्छा अवसर मिला। नौकरी के दौरान उन्होंने फूलों के इस कारोबार की कई बारीकियां सीखीं। **जमीन पट्टे पर लेकर शुरू की खेती** कुछ समय नौकरी करने के बाद अरूप वापस कोलाघाट स्थित अपने घर आ गए। यहां उन्होंने अलग-अलग शहरों में फूलों की दुकानों पर गेंदा के फूलों की लड़ियां आदि बेचना शुरू किया। उन्हें शुरू में 100 लड़ियों पर 2000 से 3000 रुपये का मुनाफा हुआ। इससे उनके अंदर फूलों की खेती में रुचि जागी। साल 2011 में उन्होंने एक बीघा जमीन पट्टे पर लेकर गेंदे की खेती शुरू कर दी। **नुकसान से सीखा सबक** शुरुआत में अरूप को काफी नुकसान हुआ। क्योंकि उन्होंने उस एक बीघा जमीन में कोलकाता किस्म के गेंदे के पौधे लगाए। इसके फूल छोटे हो गए जिनकी बिक्री बमुश्किल हो पाई। इससे उन्हें घाटा हुआ। लेकिन इससे अरूप ने हार नहीं मानी। साल 2011 में वह थाईलैंड गए और वहां तीन महीने रहे। इस दौरान उन्होंने थाईलैंड में हाई क्वालिटी वाले टेनिस बॉल गेंदे के फूलों और उनके बीज तैयार करने की तकनीक के बारे में सीखा। वह वहां से प्रत्येक गेंदे की किस्म के 25 ग्राम बीज लेकर कोलाघाट लौट आए। फिर शुरू किया कारोबार थाईलैंड से वापस आने के बाद उन्होंने और जमीन लीज पर ली।

क्या रिजर्व बैंक जारी करेगा 5000 रुपये का नोट? जानें सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे मैसेज की सच्चाई

इन दिनों सोशल मीडिया पर एक मैसेज काफी तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि रिजर्व बैंक जल्दी ही 5000 रुपये का नोट जारी करेगा। यह मैसेज फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप आदि जगह तेजी से फैल रहा है। पीआईबी फैक्ट चेक में इस मैसेज की सच्चाई बताई गई है।

नई दिल्लीः सोशल मीडिया पर अक्सर ऐसे कई मैसेज वायरल होने शुरू हो जाते हैं जिनके में बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं होती। कई बार ये सच भी होते हैं तो कई बार फर्जी निकलते हैं। इस समय भी ऐसा ही एक मैसेज काफी वायरल हो रहा है। इसमें दावा किया जा रहा है कि रिजर्व बैंक की ओर से 5000 रुपये के नोट जारी किए जाएंगे।

इस मैसेज के साथ एक फोटो भी वायरल हो रही है। दावा किया जा रहा है कि यह फोटो 5000 के नोट की है। इस मैसेज के बारे में पीआईपी फैक्ट चेक ने एक्स पर एक पोस्ट की है। इसमें 5000 के नोट की सच्चाई के बारे में बताया है। देसी डिजिटल करेंसी बनेगी रॉकेट! अधिकारियों को भत्ते के रूप में देकर RBI करेगा टेस्टिंग, क्या क्रिप्टो को मिलेगी टक्कर?

क्या बताया पीआईबी ने?

पीआईबी फैक्ट चेक ने अपने एक्स अकाउंट @PIBFactCheck पर एक पोस्ट में इस मैसेज को फर्जी बताया है। साथ ही लोगों को सतर्क रहने को कहा है। अपनी पोस्ट में पीआईबी फैक्ट चेक ने लिखा है, 'सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से 5000 रुपये के नए नोट जारी किए जाएंगे।' पीआईबी ने ऐसे दावे को पूरी तरह फर्जी बताया है। अपनी पोस्ट में लिखा है कि रिजर्व बैंक की ओर से ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। साथ ही इसमें कहा गया है कि आधिकारिक वित्तीय जानकारी के लिए रिजर्व बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट rbi.org.in पर विजिट करें। **क्या है पीआईबी फैक्ट चेक**? सोशल मीडिया पर कई बार ऐसे मैसेज काफी वायरल हो जाते हैं जो सरकारी सुविधाओं, योजनाओं आदि से जुड़े होते हैं। पीआईबी फैक्ट चेक सरकारी नीतियों, विनियमों, घोषणाओं आदि के बारे में दावों की पुष्टि करती है। इसके लिए उन दावों की कई तरह से जांच की जाती है।

जेलेंस्की, पुतिन, ट्रंप... सऊदी अरब में तीन दुश्मनों का जमावड़ा, मोहम्मद बिन सलमान की अग्नि परीक्षा

सऊदी अरब दुनिया के तीन प्रमुख दुश्मन देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मेजबानी करने वाला है। इनमें यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शामिल हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध को शुरू हुए अगले हफ्ते तीन साल हो चुके हैं। इस युद्ध में दोनों ही देशों के लाखों लोगों की मौत हो चुकी है और अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है।

रियादः सऊदी अरब की राजधानी रियाद में तीन दुश्मन देशों के प्रमुखों का जमावड़ा होने वाला है। इनमें यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शामिल हैं। मुमकिन है कि इस यात्रा के दौरान तीनों नेताओं का आमना-सामना भी हो। ऐसे में इन तीनों नेताओं के बीच सामंजस्य को बनाए रखना सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा। ऐसी भी संभावना है कि तीनों नेता रूस-यूक्रेन युद्ध विराम पर भी चर्चा कर सकते हैं। **बुधवार को सऊदी अरब जाएंगे जेलेंस्की** यूक्रेनी राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने बताया कि राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की बुधवार को सऊदी अरब का दौरा करेंगे। यह दौरा रूसी और अमेरिकी अधिकारियों के बीच नियोजित बैठकों के एक दिन बाद होगा। राष्ट्रपति के प्रवक्ता सर्जी न्याकिफोरोव ने कहा कि जेलेंस्की अपनी पत्नी के साथ सऊदी अरब की यात्रा करेंगे, जो कि एक "लंबे समय से नियोजित" आधिकारिक यात्रा का हिस्सा है। जेलेंस्की ने पिछले सप्ताह यात्रा की घोषणा की, लेकिन तारीख नहीं बताईं, उन्होंने कहा कि उनकी रूसी या अमेरिकी अधिकारियों से मिलने की कोई योजना नहीं है। **अमेरिकी और रूसी अधिकारी भी करेंगे बैठक** यूक्रेनियों की ओर से आधिकारिक घोषणा अमेरिकी और रूसी अधिकारियों द्वारा यह कहे जाने के बाद की गई है कि वे मंगलवार को रियाद में बैठक करेंगे, ताकि चल रहे यूक्रेन युद्ध और इसे समाप्त करने के उपायों पर चर्चा की जा सके। रूस-यूक्रेन युद्ध को शुरू हुए अगले हफ्ते तीन साल हो चुके हैं। इस युद्ध में दोनों ही देशों के लाखों लोगों की मौत हो चुकी है और अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। इसके बावजूद संघर्ष विराम की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रियाद में मिल सकते हैं।

लेबनान में हमास का मिलिट्री ऑपरेशन चीफ ढेर, इजरायल ने ड्रोन हमले में मार गिराया

इजरायली सेना ने कहा कि उसने सोमवार को दक्षिणी लेबनान में एक हवाई हमले में हमास के एक शीर्ष कमांडर को मार गिराया है। मारे गए हमास कमांडर का नाम मोहम्मद शाहीन था। वह इजरायली सेना ने उस पर लेबनानी क्षेत्र से इजरायल के खिलाफ हमलों की योजना बनाने का आरोप लगाया।

यरूशलमः दक्षिणी लेबनान में सोमवार को इजरायली ड्रोन हमले में देश में हमास का सैन्य अभियान प्रमुख मारा गया। इजरायली सेना ने यह जानकारी दी है। यह हमला युद्ध विराम समझौते के तहत दक्षिणी लेबनान से इजरायल की पूर्ण वापसी की समय सीमा की पूर्व संध्या पर हुआ, जिसके तहत इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 14 महीने से चल रहा युद्ध समाप्त हुआ है।

हमास का टॉप कमांडर ढेर इजरायली सेना ने कहा कि उसने लेबनान में हमास के संचालन विभाग के प्रमुख मोहम्मद शाहीन को मार गिराया है। सेना ने शाहीन पर "हाल ही में लेबनानी क्षेत्र से इजरायल के नागरिकों के खिलाफ ईरान द्वारा निर्देशित और वित्तपोषित आतंकवादी हमलों की योजना बनाने का आरोप लगाया।" हमास ने शाहीन की मौत की पुष्टि की है, लेकिन उसे एक सैन्य कमांडर बताया है।

लेबनानी सैन्य चौकी के पास हमला फुटेज में लेबनानी सेना की चौकी और सिडोन के म्युनिसिपल स्पोर्ट्स स्टेडियम के पास हमले के बाद एक कार में आग लगी हुई दिखाई दी। मूल रूप से वापसी की समय सीमा जनवरी के अंत में थी लेकिन इजरायल के दबाव के चलते लेबनान इसे 18 फरवरी तक बढ़ाने पर राजी हो गया था। यह स्पष्ट नहीं है कि इजरायली सैनिक मंगलवार तक अपनी वापसी पूरी कर लेंगे या नहीं।

इजरायल लगातार कर रहा लेबनान में हमले युद्धविराम के बाद से ही इजरायल लगातार दक्षिणी और पूर्वी लेबनान पर हमले जारी रखे हुए है। उसका कहना है कि वह आतंकवादी ठिकानों को निशाना बना रहा है जहां मिसाइलें और लड़ाकू उपकरण हैं। हालांकि, लेबनान का कहना है कि इजरायल जानबूझकर उसके इलाके पर कब्जा किए हुए है और अपने सैनिकों को वापस बुलाने में देरी कर रहा है।

इजरायली सैनिकों की वापसी में देरी यह हमला तब हुआ जब एक इजरायली अधिकारी ने कहा कि इजरायली सेना मंगलवार को अपनी पूर्ण वापसी की समय सीमा के बाद भी सीमा के पास दक्षिणी लेबनान में पांच रणनीतिक स्थानों पर रहेगी। नवंबर में युद्धविराम समझौते के तहत वापसी होनी है, जिसने इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 14 महीने के युद्ध को समाप्त कर दिया। लेबनान की सरकार ने इजरायली वापसी में किसी भी तरह की और देरी का विरोध किया है।

पाकिस्तान में 800 अरब रुपये के खजाने के लिए मारामारी, सिंधु नदी उगल रही सोना, सिपाही से लेकर मजदूर तक सब मालामाल

पाकिस्तान के नौशेरा जिले में भारत से जाने वाली नदी ने लोगों की किस्मत बदल दी है। यहां पर नदी के अंदर बड़ी मात्रा में सोना निकल रहा है, जिसके चलते यहां पर गोल्ड माइनर्स में होड़ मच गई है। बड़ी संख्या में लोग नदी की खुदाई में जुटे हुए हैं।

इस्लामाबादः पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मौजूद नौशेरा की गिनती देश के पिछले इलाकों में होती थी, लेकिन आज इस इलाके में सोना खोजने की होड़ मची हुई है, जो यहां से होकर गुजरती है। कुंड से निजामपुर तक नौशेरा जिले का पूरा इलाका बड़े पैमाने पर सोने का खनन हुआ है। नौशेरा को पंजाब के अटक से जोड़ने वाले ब्रिटिशकालीन रेलवे पुल तक नदी के किनारे खुदाई करने वालों की टोली लगी हुई है। सिंधु नदी में सोने के लालच ने एक सुनसान इलाके को खनन के लिए मारामारी का केंद्र बना दिया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पूरे दिन खुदाई करने वाले लोग नदी की गहराई में सोने की तलाश करते हैं। मजदूर मिट्टी और पत्थरों से अपनी बाल्टियां निकालते हैं और इसके बाद सोने की स्लुइस मैट का इस्तेमाल करके इस रेत से सोने के कण निकालने की कोशिश करते हैं। इस खनन की बदौलत निजामपुर पुलिस स्टेशन में पोस्टिंग इन दिनों बहुत आकर्षक हो गई है। यहां काम करने वाले मजदूरों को भी खननकर्ता अच्छी कीमत दे रहे हैं। एक मजदूर के 1000 से 1500 रुपये दिए जा रहे हैं। इस इलाके में सिंधु नदी का पानी काबुल से आने वाली कीचड़ वाली धारा से मिल जाता है। सिंधु और काबुल नदियों में प्लेसर गोल्ड खनन ने इस इलाके को आर्थिक रूप से बदल दिया है। एक स्थानीय युवक के हवाले से डॉन ने बताया कि पहले नदी में छोटे पैमाने पर खनन होता था, लेकिन पिछले कुछ महीने में यह एक बड़े ऑपरेशन में बदल गया है।

क्या भारत से टकराने वाला है 'सिटी किलर' क्षुद्रग्रह 2024 YR4, जानें किन देशों पर मंडराया खतरा

हाल ही में खोजे गए क्षुद्रग्रह, जिसका नाम 2024 YR4 है, के 2032 में पृथ्वी से टकराने की औसतन 2% संभावना है। हालांकि, प्रभाव की संभावना बहुत कम है, लेकिन खगोलविद अधिक विवरण प्राप्त करने के लिए अंतरिक्ष चट्टान पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। 2024 YR4 के बारे में बहुत कुछ ज्ञात नहीं है, लेकिन अनुमान है कि क्षुद्रग्रह 131 से 295 फीट (40 से 90 मीटर) चौड़ा है।

वॉशिंगटनः नासा की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2032 में लगभग 40 से 100 मीटर चौड़ा एक क्षुद्रग्रह के पृथ्वी के बहुत करीब से गुजरने की उम्मीद है। हाल ही में खोजे गए क्षुद्रग्रह का नाम 2024 YR4 रखा गया है। यह घटना चिंताजनक इसलिए है क्योंकि वैज्ञानिकों का मानना है कि 7 साल में इसके पृथ्वी से टकराने की औसतन 2 प्रतिशत संभावना है, जिससे दुनिया भर की कई अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच खतरे की घंटी बज गई है।

क्षुद्रग्रह को 'सिटी किलर' क्यों बताया जा रहा कैलिफ़ोर्निया में NASA की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला में सेंटर फ़ॉर नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट स्टडीज़ या CNEOS के प्रबंधक डॉ. पॉल चोडास ने कहा कि इसके आकार, गति और प्रभाव की संभावना के कारण, ऑनलाइन लोग इसे "सिटी किलर" भी कह रहे हैं। 2024 YR4 के बारे में बहुत कुछ पता नहीं है, लेकिन अनुमान है कि इसका आकार "एक बड़ी इमारत के बराबर" होगा। हालांकि YR4 क्षुद्रग्रह 6.6 करोड़ साल पहले पृथ्वी से टकराने वाले "ग्रह-हत्यारे" क्षुद्रग्रह के आकार के करीब भी नहीं है। इसके बावजूद अगर यह पृथ्वी से टकराता है तो यह एक पूरे क्षेत्र के विनाश का कारण बन सकता है। ऐसे में NASA ने बताया है कि यह अंतरिक्ष चट्टान संभावित रूप से किन देशों से टकरा सकती है।

कौन से देश रडार के दायरे में हैं NASA ने कहा कि अगर क्षुद्रग्रह का पृथ्वी पर कोई प्रभाव पड़ता है तो यह 22 दिसंबर, 2032 को दोपहर 2:02 बजे (GMT) के आसपास होने का अनुमान है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने तर्क दिया कि पृथ्वी से इसके टकराने की सटीक संभावना के अनुसार सटीक समय बदल सकता है। क्षुद्रग्रह के मार्ग को देखते हुए, NASA ने तर्क दिया कि अंतरिक्ष चट्टान सबसे अधिक संभावना पूर्वी प्रशांत महासागर, उत्तरी दक्षिण अमेरिका, अटलांटिक महासागर, अफ्रीका, अरब सागर या दक्षिण एशिया में कहीं टकराएगी। इसलिए, कुछ देश जो क्षुद्रग्रह के मार्ग में आ सकते हैं वे हैं: भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथियोपिया, सूडान, नाइजीरिया, वेनेजुएला, कोलंबिया और इक्वाडोर। हालांकि, अंतरिक्ष शोधकर्ताओं ने तर्क दिया कि जैसे-जैसे एजेंसियां अधिक डेटा एकत्र करना जारी रखती हैं, इन भविष्यवाणियों में बदलाव होने की संभावना सबसे अधिक है। YR24 के बारे में एक और दिलचस्प तथ्य यह है कि यह लोहे जैसी मजबूत सामग्री के बजाय चट्टानी पदार्थों से बना है। यह खोज महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका मतलब यह होगा कि अगर यह पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करता है तो क्षुद्रग्रह छोटे टुकड़ों में टूट सकता है।

अगर यह पृथ्वी से टकराता है तो इससे कितना नुकसान होगा? यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) के नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट कोऑर्डिनेशन सेंटर (NEOCC) के प्रबंधक डॉक्टर लुका कन्वर्सी के अनुसार, अंतरिक्ष चट्टान वर्तमान में टोरिनो इम्पैक्ट हैज़र्ड स्केल पर तीसरे स्तर पर है। स्तर को "खगोलविदों द्वारा ध्यान देने योग्य नज़दीकी मुठभेड़" के रूप में परिभाषित किया गया है क्योंकि इसमें स्थानीय विनाश करने में सक्षम टकराव की 1 प्रतिशत या उससे अधिक संभावना है। पैमाना ही वह कारण है जिससे हम क्षुद्रग्रह के बारे में जानते हैं। नासा ने कहा कि अगर YR24 पृथ्वी से टकराता है, तो यह उच्च वेग से टकराएगा, लगभग 17 किलोमीटर प्रति सेकंड - लगभग 38,000 मील प्रति घंटे।

तालिबान ने भारत से कर दी बड़ी डिमांड, लिस्ट भी सौंपी, क्या इस्लामिक अमीरात की मांग मानेगी मोदी सरकार?

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात के बाद तालिबान ने भारत से बड़ी डिमांड की है। तालिबान ने कहा है कि वह काबुल में भारतीय दूतावास को फिर से खुला हुआ देखना चाहता है। इसके अलावा उसने नई दिल्ली में अफगान दूतावास में तैनाती के लिए नए राजनयिकों की एक लिस्ट भी सौंपी है।

काबुलः अफगानिस्तान पर काबिज तालिबान ने भारत से बड़ी डिमांड की है। तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार ने कहा है कि भारत को काबुल में अपने दूतावास को फिर से खोलना चाहिए। इसके अलावा तालिबान ने भारत को प्रस्तावित अफगान राजनयिकों की एक सूची भी सौंपी है। इस सूची में सबसे ऊपर नजीब शाहीन का नाम है। वह तालिबान के कतर स्थित प्रवक्ता और समूह के कूटनीतिक संपर्क में प्रमुख सुहैल शाहीन के बेटे हैं। धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने वाले और लेखक सुहैल शाहीन 1990 के दशक में काबुल टाइम्स के संपादक भी थे। हालांकि, तालिबान की डिमांड पर भारत ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पिछले साल नवंबर में, तालिबान ने भारत में रहने वाले अफगान नागरिक इकरामुद्दीन कामिल को मुंबई में अपना कार्यवाहक वाणिज्यदूत नियुक्त किया था। यह भारत में तालिबान प्रशासन की अपनी तरह की पहली नियुक्ति थी। कामिल ने नई दिल्ली में दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने से पहले इस्लामाबाद में इस्लामिक विश्वविद्यालय में कानून का अध्ययन किया था, जिसे दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (SAARC) द्वारा स्थापित किया गया था। यह नवीनतम घटनाक्रम 8 जनवरी को दुबई में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के बीच हुई बैठक के बाद हुआ है। चर्चा के दौरान, मिसरी ने अफगान लोगों के साथ भारत की ऐतिहासिक मित्रता और दोनों देशों के बीच गहरे लोगों के बीच संबंधों की पुष्टि की। तालिबानी विदेश मंत्री ने इस दौरान भारत से अफगानिस्तान में निवेश बढ़ाने और आपसी संपर्क पर जोर दिया था। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि भारतीय अधिकारी तालिबान द्वारा नामित दूत को मंजूरी देने में हिचकिचा रहे हैं। एक सूत्र ने बताया है कि एक संभावित विकल्प यह हो सकता है कि भारत तालिबान के अनुरोध पर विचार करने से पहले काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलने की पेशकश करे। 24 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में अफगानिस्तान दूतावास ने भारत और तालिबान दोनों के दबाव का हवाला देते हुए स्थायी तौर पर बंद होने की घोषणा की थी। अपने बयान में, दूतावास ने कहा, "अफगान गणराज्य के राजनयिकों ने मिशन को पूरी तरह से भारतीय सरकार को सौंप दिया है। अब मिशन के भाग्य का फैसला करना भारत सरकार पर निर्भर है।"

अमेरिका और ईरान में नई परमाणु डील करा पाएंगे प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान? ट्रंप से संबंध बढ़ाएगा सऊदी का दबदबा

सऊदी अरब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को कम करने के लिए मध्यस्थता भूमिका निभा सकता है। सऊदी में रूस और यूक्रेन में शांति वार्ता के लिए भी बात हो रही है। ये ऐसे समय है जब सऊदी अरब क्षेत्रीय और वैश्विक नई चुनौतियों का सामना कर रहा है।

रियादः ईरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए सऊदी अरब तेहरान और अमेरिका के बीच समझौते में मध्यस्थता कर सकता है। सीएनएन ने अपनी एक रिपोर्ट में ये दावा किया है। इस घटनाक्रम ने इसलिए भी ध्यान खींचा है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध सीजफायर के लिए सऊदी अरब मध्यस्थ है। यह अरब क्षेत्र और वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका बनाए रखने के संघर्ष में सऊदी की मदद करेगा। हालांकि ये सवाल है कि क्या सऊदी अरब सफलता के साथ ईरान और अमेरिका में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकेगा। के मुताबिक, ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान रियाद ने अरब इस्लामी शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मई 2017 में सऊदी अरब पहुंचे थे। हालांकि बीते कुछ साल में चीजें बदल गईं हैं। कई देश अमेरिका को चुनौती दे रहे हैं और एक नई विश्व व्यवस्था उभर रही है। ऐसे में सऊदी अरब के लिए मुश्किल है तो मध्यस्थता में बड़ी भूमिका निभाने का मौका भी है। सऊदी को रूस-यूक्रेन और ईरान-अमेरिका मामलों पर काम करने से दुनिया में अपना दबदबा बढ़ाने में मदद मिल सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के लिए नए समझौते की तलाश में सऊदी अरब ट्रंप प्रशासन और ईरान के बीच मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। सऊदी को चिंता है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने में तेजी ला सकता है। सऊदी अरब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों का लाभ उठाकर ईरान को व्हाइट हाउस के लिए एक राजनयिक पुल देने की कोशिश में है। यह साफतौर पर नहीं कहा जा सकता है कि सऊदी अरब यूक्रेन से लेकर ईरान तक इतने सारे महत्वपूर्ण मोर्चों पर सफलता हासिल कर सकता है या नहीं लेकिन वह अच्छी स्थिति में दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने का उसे फायदा मिल सकता है। सऊदी अरब नए ट्रंप प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भी खुद को तैयार कर सकता है। सऊदी ने 2017 में भी ऐसा करने की कोशिश की थी।

पाकिस्तान में 800 अरब रुपये के खजाने के लिए मारामारी, सिंधु नदी उगल रही सोना, सिपाही से लेकर मजदूर तक सब मालामाल

: पाकिस्तान के नौशेरा जिले में भारत से जाने वाली नदी ने लोगों की किस्मत बदल दी है। यहां पर नदी के अंदर बड़ी मात्रा में सोना निकल रहा है, जिसके चलते यहां पर गोल्ड माइनर्स में होड़ मच गई है। बड़ी संख्या में लोग नदी की खुदाई में जुटे हुए हैं।

***इस्लामाबादः** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मौजूद नौशेरा की गिनती देश के पिछले इलाकों में होती थी, लेकिन आज इस इलाके में सोना खोजने की होड़ मची हुई है, जो यहां से होकर गुजरती है। कुंड से निजामपुर तक नौशेरा जिले का पूरा इलाका बड़े पैमाने पर सोने का खनन हुआ है। नौशेरा को पंजाब के अटक से जोड़ने वाले ब्रिटिशकालीन रेलवे पुल तक नदी के किनारे खुदाई करने वालों की टोली लगी हुई है। सिंधु नदी में सोने के लालच ने एक सुनसान इलाके को खनन के लिए मारामारी का केंद्र बना दिया है।*

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पूरे दिन खुदाई करने वाले लोग नदी की गहराई में सोने की तलाश करते हैं। मजदूर मिट्टी और पत्थरों से अपनी बाल्टियां निकालते हैं और इसके बाद सोने की स्लुइस मैट का इस्तेमाल करके इस रेत से सोने के कण निकालने की कोशिश करते हैं। इस खनन की बदौलत निजामपुर पुलिस स्टेशन में पोस्टिंग इन दिनों बहुत आकर्षक हो गई है। यहां काम करने वाले मजदूरों को भी खननकर्ता अच्छी कीमत दे रहे हैं। एक मजदूर के 1000 से 1500 रुपये दिए जा रहे हैं।

***सोने के खनन से बदल गई किस्मत** इस इलाके में सिंधु नदी का पानी काबुल से आने वाली कीचड़ वाली धारा से मिल जाता है। सिंधु और काबुल नदियों में प्लेसर गोल्ड खनन ने इस इलाके को आर्थिक रूप से बदल दिया है। एक स्थानीय युवक के हवाले से डॉन ने बताया कि पहले नदी में छोटे पैमाने पर खनन होता था, लेकिन पिछले कुछ महीने में यह एक बड़े ऑपरेशन में बदल गया है। बड़ी संख्या में खुदाई करने वाले लोग दिन -रात नदी के तल में अपनी बाल्टियां धंसाते रहते हैं।*

***800 अरब रुपये का सोने का भंडार** सिंधु नदी में सोने के भंडार ने लोगों का ध्यान इस साल की शुरुआत में खींचा, जब अटक के पास 800 अरब रुपये के सोने के भंडार का दावा करने वाली एक रिपोर्ट सामने आई। यह दावा पंजाब के पूर्व खान और खनिज मंत्री इब्राहिम हसन मुराद ने सोशल मीडिया पर एक बयान में किया। ये दावा उन्होंने पाकिस्तान के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSP) की रिपोर्ट को आधार पर किया था।*

***नदी के पर्यावरण पर खतरा** प्लेसर गोल्ड माइनिंग में तेजी से पर्यावरणविद चिंतित हैं। उनका कहना है कि नदी तल में ज्यादा खुदाई से जलीय जीवन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों को दावा है कि सोना निकालने में पारे के इस्तेमाल से नदी के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा है। बड़े पैमाने पर खनन शुरू होने से बाद से मछुआरों ने नदी में कम मछलियां मिलने की शिकायत की है।*

यूक्रेन जंग पर रूस-अमेरिका में कल हाई लेवल मीटिंग संभव

यूक्रेन जंग के समाधान के लिए रूस और अमेरिका के बीच कल सऊदी अरब में हाई लेवल मीटिंग हो सकती है। इसमें 2 रूसी अधिकारी शामिल होंगे। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इसकी पुष्टि की है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव आज सऊदी की राजधानी रियाद के लिए रवाना होंगे। इस बीच खबर आ रही है कि इस शांति वार्ता के लिए यूक्रेन को नहीं बुलाया है। वहीं अमेरिका की तरफ से विदेश मंत्री मार्को रुबियो और यूक्रेन और रूस के लिए वाशिंगटन के विशेष दूत कीथ केलॉग इसमें शामिल होंगे। रुबियो सोमवार दोपहर को रियाद पहुंच चुके हैं।

रुबियो अमेरिकी डेलिगेशन की अगुआई करेंगे। AP की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बैठक में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर (NSA) माइकल वॉल्ट्ज और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ भी शामिल होंगे। यूक्रेन जंग पर शांति वार्ता के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को नहीं बुलाया गया है। BBC न्यूज ने यूक्रेन सरकार के एक सीनियर अधिकारी के हवाल से इसकी पुष्टि की है। इससे पहले अमेरिका के विशेष दूत कीथ केलॉग ने यूक्रेन के शामिल होने की बात कही थी।

सरसों-राई भरपूर मुनाफे की फसल

[illegible]

[illegible]

सरसों की खेती में कीट रोगों से बचाव के उपाय

[illegible]

स्मृति मंधाना की तूफानी बैटिंग, गेंदबाजी भी चमकी... आरसीबी ने दिल्ली को एकतरफा मुकाबले में दी मात

महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरा मुकाबला जीता। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज की। रेणुका सिंह और जॉर्जिया वेयरहैम ने तीन-तीन विकेट लिए। दिल्ली कैपिटल्स 141 रन पर ऑल आउट हो गई। स्मृति मंधाना के बल्ले से 81 रनों की पारी निकली।

वडोदराः महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लगातार दूसरा मुकाबला जीत लिया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ स्मृति मंधाना की टीम ने 8 विकेट के बड़े अंतर से मुकाबला अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली की टीम आखिरी ओवर में 141 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर ही आरसीबी ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। दिल्ली की दो मैचों में यह पहली हार है।

दिल्ली की बैटिंग रही फेल तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम के तीन-तीन विकेट की बदौलत आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को समेट दिया। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से जेमिमा रोड्रिग्स ने सर्वाधिक 34 रन बनाए जबकि उनके अलावा सिर्फ सारा ब्राइस (23) ही 20 रन के आंकड़े को छू पाईं। दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत खराब रही। दूसरी ही गेंद पर शेफाली वर्मा (0) का विकेट गंवा दिया। मेग लेनिंग (17) ने रेणुका पर दो चौके मारे। जेमिमा ने एकता बिष्ट पर पारी का पहला छक्का जड़ा और फिर वीजे जोशिता पर भी दो चौके और एक छक्का मारा।

दिल्ली ने पावरप्ले में एक विकेट पर 55 रन बनाए। जॉर्जिया ने जेमिमा को रिचा घोष के हाथों स्टंप कराया जबकि किम ने लेनिंग को एलिस पैरी के हाथों कैच कराके दिल्ली का स्कोर तीन विकेट पर 62 रन किया। अनाबेल सदरलैंड (19) ने एकता पर छक्का जड़ा लेकिन रेणुका के अगले ओवर में स्मृति को कैच थमा बैठी। एकता ने इसके बाद जेस जोनासेन (01) को मिडविकेट पर कनिका आहुजा के हाथों कैच कराके दिल्ली का स्कोर 12वें ओवर में पांच विकेट पर 87 रन किया।

तलाक पर 'लुट जाएंगे' युजवेंद्र चहल, धनश्री वर्मा को मिलेंगे 60 करोड़? उधर छलका क्रिकेटर का दर्द

क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के तलाक की अटकलें तेजी से बढ़ रही हैं। दोनों के इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद अफवाहें फैलनी शुरू हुई थीं। अब नई अफवाह है कि युजवेंद्र चहल तलाक के बाद वाइफ धनश्री को 60 करोड़ रुपये देंगे।

नई दिल्लीः क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के बीच तलाक की अफवाहों ने सोशल मीडिया पर खूब तहलका मचाया है। चहल पर 60 करोड़ रुपये के भारी-भरकम एलिमनी की मांग की अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन इन अफवाहों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। चहल ने खुद इन अफवाहों पर दुख जताया है और लोगों से इनमें ना पड़ने की अपील की है। दूसरी तरफ, धनश्री ने भी बेबुनियाद दावों को फैलाने वाले गुमनाम ट्रोल्स की आलोचना की है। ये पूरी कहानी इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने से शुरू हुई और अब तलाक की अटकलों तक पहुंच गई है। उधर क्रिकेटर का वैलेंटाइन डे पर दर्द छलका है।

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा की शादी दिसंबर 2020 में गुरुग्राम में एक निजी समारोह में हुई थी। दोनों की मुलाकात महामारी के दौरान हुई थी जब चहल ने धनश्री से डांस सीखने के लिए संपर्क किया था। लेकिन अब, सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों के मुताबिक इनके रिश्ते में दरार आ गई है। कुछ लोग ये भी कह रहे हैं कि चहल को तलाक के बाद धनश्री को 60 करोड़ रुपये बतौर एलिमनी देने पड़ेंगे। ये हालांकि सिर्फ सोशल मीडिया की अटकलें हैं। इनकी कोई ठोस पुष्टि नहीं हुई है। ना तो चहल और ना ही धनश्री ने आधिकारिक तौर पर तलाक की खबरों पर कोई बयान दिया है। धनश्री ने बेबुनियाद दावों को फैलाने वाले गुमनाम ट्रोल्स की आलोचना जरूर की है। लेकिन उन्होंने तलाक के बारे में कुछ नहीं कहा। वैलेंटाइन डे पर चहल ने लिखा- आप जैसे हैं वैसे ही पर्याप्त हैं। किसी को भी आपको अन्यथा महसूस न करने दें...। चहल ने जनवरी में एक इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने कहा था कि वो अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहों को देख रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि वो लोगों की उत्सुकता समझते हैं, खासकर अपने निजी जीवन के बारे में। लेकिन उन्होंने सभी से इन अटकलों में ना पड़ने का अनुरोध किया। चहल ने लिखा- एक बेटे, भाई और दोस्त के रूप में मैं सभी से विनम्र निवेदन करता हूं कि कृपया इन अटकलों में शामिल न हों, क्योंकि इनसे मुझे और मेरे परिवार को बहुत दुख हुआ है। ये सब तब शुरू हुआ जब चहल और धनश्री ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया। इतना ही नहीं, चहल ने धनश्री के साथ अपनी सभी तस्वीरें भी डिलीट कर दीं। हालांकि, धनश्री ने, जिन्होंने भी चहल को अनफॉलो किया है, उनके साथ अपनी कोई भी तस्वीर नहीं हटाई है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया है कि दोनों के बीच तलाक तय है और बस आधिकारिक घोषणा होना बाकी है। फिलहाल, सच्चाई क्या है, ये तो वक्त ही बताएगा। लेकिन अभी तक सिर्फ अफवाहें ही हैं, कोई पुष्टि नहीं। चहल और धनश्री, दोनों ने ही इस मामले पर खुलकर बात नहीं की है। सोशल मीडिया पर तरह-तरह की बातें हो रही हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर कुछ भी साफ़ नहीं है। देखना होगा कि आगे क्या होता है।

कराची के स्टेडियम में क्यों नहीं लगा है भारत का झंडा, पीसीबी ने विवाद के बीच तोड़ी चुप्पी

कराची के नेशनल स्टेडियम में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शामिल देशों के झंडे लगाए गए हैं। भारत भी टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे है लेकिन उसका झंडा नहीं फहराया गया है। इसपर जमकर बवाल हो रहा है। अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी की तरफ से इसपर सफाई दी गई है।

नई दिल्लीः पाकिस्तान में होने वाले ICC चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कराची के नेशनल स्टेडियम में लगे झंडों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में भारतीय झंडा नहीं दिख रहा था। इस वीडियो में चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने वाले देशों के झंडे दिख रहे थे, लेकिन भारतीय झंडा गायब था। यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू हो रहा है। सोशल मीडिया पर लोग PCB की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि PCB ने जानबूझकर भारतीय झंडा नहीं लगाया।

पीसीबी ने दी सफाई पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस मामले पर सफाई दी है। उसका कहना है कि उसने सिर्फ उन्हीं देशों के झंडे लगाए हैं जो पाकिस्तान में मैच खेलेंगे। एक PCB सूत्र ने IANS को बताया, 'जैसा कि आप जानते हैं, भारत चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान अपने मैच खेलने पाकिस्तान नहीं आ रहा है। कराची के नेशनल स्टेडियम, रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम और लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में उन देशों के झंडे लगाए गए हैं जो इन जगहों पर मैच खेलने वाले हैं।' जब उनसे पूछा गया कि कराची और लाहौर के स्टेडियम में भारत, बांग्लादेश और अन्य भाग लेने वाले देशों के झंडे क्यों नहीं हैं, तो सूत्र ने कहा, 'भारतीय टीम अपने मैच दुबई में खेलने वाली है। दूसरी बात, बांग्लादेश की टीम अभी तक पाकिस्तान नहीं पहुंची है और अपना पहला मैच दुबई में भारत के खिलाफ खेलेगी। इसलिए, उनके झंडे नहीं लगाए गए हैं और बाकी देश, जो यहां आ गए हैं और पाकिस्तान में खेलेंगे... उनके झंडे स्टेडियम में हैं।' सूत्र ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि PCB को इस पर कोई आधिकारिक बयान देने की आवश्यकता है।

घुटना मोड़कर मिड ऑफ से ऊपर से उड़ा दिया छक्का, स्मृति मंधाना का यह शॉट देखते ही बनता है

स्मृति मंधाना ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बेहतरीन 81 रन बनाए और इस दौरान उन्होंने पांचवें ओवर में अरुंधती रेड्डी की गेंद पर शानदार छक्का भी जड़ा। RCB ने DC को 141 रन पर ऑलआउट किया। स्मृति WPL में 500 रन पूरे करने वाली छठी बल्लेबाज बन गईं।

वड़ोदराः कोटांबी स्टेडियम में WPL 2025 के चौथे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धमाकेदार बल्लेबाजी की। मंधाना ने तूफानी अर्धशतक जड़ा और डेनिएल व्याट-हॉज के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। RCB ने टॉस जीतकर DC को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। DC की टीम 19.3 ओवर में 141 रन पर सिमट गई।

स्मृति ने मारा बेजोड़ छक्का स्मृति मंधाना ने इस मैच में 81 रनों की पारी खेली। 47 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने कई शानदार शॉट्स खेले। हालांकि सबसे ज्यादा चर्चा उनके 5वें ओवर में अरुंधती रेड्डी की गेंद पर लगाए गए छक्के की हो रही है। उन्होंने मिड ऑफ की ऊपर से यह छक्का लगाया। ऑफ स्टंर की बाहर की गेंद को उन्होंने घुटने मोड़ते हुए मिड ऑफ के ऊपर से उड़ा दिया। इस शानदार छक्के का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। महिला प्रीमियर लीग में स्मृति मंधाना के 500 रन भी पूरे हो गए हैं। वह ऐसा करने वाली ओवरऑल छठ बल्लेबाज बन गई हैं। भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो उससे पहले शेफाली वर्मा और हरमनप्रीत कौर 500 रन पूरे कर चुकी हैं। लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लेनिंग के नाम है। उन्होंने अभी तक 708 रन बनाए हैं। स्मृति के 20 मैचों में करीब 27 की औसत से 539 रन हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने इस मैच को 8 विकेट से अपने नाम किया। दिल्ली को 141 रनों पर रोकने के बाद आरसीबी को स्मृति मंधाना ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। पावरप्ले में ही टीम के 57 रन हो गए थे। 65 गेंदों पर स्मृति और व्याट ने 107 रन जोड़कर जीत पक्की कर दी। स्मृति मंधाना ने 47 गेंदों पर 81 रनों की पारी खेली।

विराट कोहली ने निकाला जुगाड़, पर्सनल शेफ नहीं होने के बाद भी दुबई में खा रहे मनपसंद खाना

दुबईः बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद खिलाड़ियों के साथ निजी शेफ, स्टाइलिस्ट और स्टाफ ले जाने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद भी भारतीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज विराट कोहली को दुबई में मनपसंद खाना मिल रहा है। उन्होंने दुबई में अपने खाने के जुगाड़ कर लिया है। यह घटना बीसीसीआई के 10-सूत्रीय निर्देश के बाद घटी, जिसमें खिलाड़ियों के निजी स्टाफ लाने पर रोक लगाई गई थी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम 20 फरवरी से बांग्लादेश के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद भारतीय क्रिकेट में बहुत कुछ बदल गया है। टीम इंडिया के निराशाजनक ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद, BCCI ने 10-सूत्रीय निर्देश जारी किए, जिससे टीम की कई गतिविधियों पर रोक लग गई। इनमें से एक प्रतिबंध खिलाड़ियों के विदेशी दौरों पर अपने निजी शेफ, स्टाइलिस्ट और स्टाफ को लाने पर था। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई पहुंचने के बाद, विराट कोहली ने अपनी पसंदीदा डिशेस हासिल करने का एक अनोखा तरीका खोज निकाला। विराट बाहर से मंगा रहे खाना टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रेनिंग स्थल से निकले से कुछ देर रहे कोहली के लिए एक फूड पैकेट आया। यह वहां के एक स्थानीय फूड चेन से आया था। इस स्टार भारतीय बल्लेबाज ने विदेशी दौरों पर अपनी जरूरतों को पूरा करने का एक और रास्ता ढूंढ लिया। कोहली ने स्थल पर मौजूद एक स्थानीय टीम मैनेजर से बात की। मैनेजर मेन गेट की तरफ गए और हाथ में एक खाने के पेपर बैग लेकर आए। यानी विराट कोहली बाहर से मनपसंद आना मंगवा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'विराट कोहली के प्रैक्टिस के बाद के खाने के कुछ डिब्बे थे। जबकि अन्य खिलाड़ी अपना किट बैग पैक कर रहे थे, कोहली अपना खाना खा रहे थे और उन्होंने एक डिब्बा रास्ते के लिए भी रख लिया।'

टीम इंडिया के साथ न नाश्ता, न होटल में जगह और न ही... गौतम गंभीर के करीबी पर BCCI का बड़ा एक्शन- रिपोर्ट

भारतीय टीम पर क्रिकेट बोर्ड ने पैनी नजर रखी हुई और कड़ाई से नियमों को पालन कर पाएगी। इसके तहत सबसे पहला एक्शन फैमिली को साथ नहीं ले जाने पर हुआ है। दूसरी ओर, हेड कोच गौतम गंभीर के पीए को दूसरे होटल में रहना होगा, जबकि टीम के साथ नहीं दिख सकते हैं।

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने अनुशासन और टीम भावना को बढ़ावा देने के लिए 10 सूत्रीय दिशानिर्देश जारी किए थे। अब चैंपियंस ट्रॉफी में इन नियमों का सख्ती से पालन होगा। BCCI ने सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को आधिकारिक दस्तावेज़ भेजकर इसका पालन अनिवार्य कर दिया है। BCCI कितना गंभीर है, इसका अंदाजा निजी स्टाफ की रहने की व्यवस्था से लगाया जा सकता है। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के निजी सहायक को खिलाड़ियों वाले होटल में रहने से मना कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान गंभीर के निजी सहायक BCCI अधिकारियों की नाराजगी का कारण बने थे। पीटीआई की एक रिपोर्ट में कहा गया है- कोचिंग स्टाफ के एक सदस्य का निजी सचिव, जो नियमित रूप से टीम होटल में रहता देखा जाता था, अब एक अलग होटल में रह रहा है। रिपोर्ट में गंभीर का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन मुख्य कोच के अलावा किसी भी भारतीय कोचिंग स्टाफ के साथ निजी सहायक टीम के साथ यात्रा नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में हर महत्वपूर्ण टीम मीटिंग में गंभीर के निजी सहायक की मौजूदगी ने BCCI अधिकारियों को नाराज कर दिया था। एक नाराज BCCI अधिकारी ने PTI से कहा था- उनका निजी सहायक राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए निर्धारित कार में क्यों बैठा था? वे कार में किसी अनजान तीसरे व्यक्ति के साथ निजी बातें भी नहीं कर सकते। उसे एडिलेड में BCCI के हॉस्पिटैलिटी बॉक्स में जगह क्यों दी गई थी? अधिकारी ने उस व्यक्ति के केवल खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए निर्धारित नाश्ते के क्षेत्र में मौजूदगी पर भी सवाल उठाया था। उन्होंने पूछा था- वह फाइव स्टार होटल के उस क्षेत्र में नाश्ता कैसे कर रहा था, जो सिर्फ टीम के सदस्यों के लिए था?

लाइट जलना ही काफी नहीं... महिला आईपीएल में बेल्स गिरने के नियम में बदलाव, जमकर हुआ था बवाल

महिला प्रीमियर लीग के दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के मैच में विवादित रन-आउट फैसले हुए। WPL ने रन-आउट और स्टंपिंग के फैसलों के लिए अब एलईडी बेल्स का पूरी तरह से गिरना अनिवार्य किया है। नए नियम लागू होने के बाद ही फैसले लिए जाएंगे।

नई दिल्लीः महिला प्रीमियर लीग में रन-आउट के फैसलों पर बवाल मच गया। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच मैच में तीन रन आउट के विवादित फैसले हुए। तीनों ही फैसले दिल्ली कैपिटल्स के पक्ष में गया। अंत में टीम ने मैच भी जीत लिया। 15 फरवरी को हुए मैच के बाद, WPL ने सभी टीमों को सूचित किया है कि अब रन-आउट और स्टंपिंग के फैसलों के लिए एलईडी बेल्स का पूरी तरह से गिरना जरूरी होगा। इससे पहले, नियम था कि बेल्स के जलते ही विकेट गिर गया माना जाएगा। लेकिन WPL 2025 से यह नियम बदल गया है। **क्रिकेट के नियम क्या कहते हैं?** इस बदलाव की वजह यह है कि मौजूदा WPL में इस्तेमाल हो रही बेल्स थोड़ी सी हलचल पर भी जल उठती हैं, भले ही दोनों स्पिगॉट पूरी तरह से ग्रूव से बाहर न निकले हों। क्रिकेट के नियमों के अनुसार, बेल तभी पूरी तरह से गिरती है जब दोनों स्पिगॉट ग्रूव से पूरी तरह बाहर आ जाएं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, इस नियम में बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि इस WPL में इस्तेमाल हो रही बेल्स थोड़ी सी भी हलचल होने पर जल जाती हैं, भले ही दोनों स्पिगॉट ग्रूव से पूरी तरह बाहर न आए हों।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0535 एवं 1272 लालकुटवा रातू रोड़ पुलिस स्टेशन रांची से ... 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं .651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670